

न्यूज ब्रीफ

पद्म पुरस्कारों के लिए खिलाड़ियों से मांगे आवेदन

मुरादाबाद, अमृत विचार : अगले साल गणतंत्र दिवस पर दिए जाने वाले पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों के लिए खेल क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्वों के नाम आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में खेल निदेशालय की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। क्रीडाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अनुसार खेल क्षेत्र में योगदान देने वाले खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं अन्य खेल हस्तियां अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से संबंधित साइटेशन तीन प्रतियों में 25 मई तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय में जमा कर सकते हैं। चयनित नाम खेल निदेशालय को भेजे जाएंगे, जहां से आगे भारत सरकार को संस्तुति की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के ऐसे खिलाड़ी और खेल से जुड़े व्यक्ति, जिन्होंने राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखियां हासिल की हैं, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने दस्तावेज जमा करने में स्वगणना प्रपत्र कराएं, नाम अग्रसारित किए जा सकें।

पांच नामजद समेत अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कुंदरकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में पैसे के लेनदेन को लेकर ऐसा विवाद भड़का कि मामला सीधे मारपीट और धमकियों तक पहुंच गया। जहां ग्राम सैफपुर चित्तू निवासी मुकीम पुत्र मतलूब ने पुलिस को दी तहरीर में सनसनीखेज आरोप लगाते हुए बताया कि उसने ग्राम कमालपुर फतेहाबाद निवासी इमरान पुत्र शाकिर को करीब 50 हजार रुपये के चार पुराने टायर बंधे थे, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी जब भुगतान नहीं हुआ तो वह अपने पैसे लेने इमरान के पास पहुंचा जहां पहले से घात लगाए बैठे इमरान, सैफ अली, मुस्तलीन, शाकिर और नुकुल ने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उस पर अचानक हमला बोल दिया। उसे बेहमी से पीटते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं हमलावरों ने जमकर पीटा। पुलिस ने पांच नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ली है।

आग लगने से पांच पशुओं की हुई मौत गजरोला, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मंदिरों वाली में गुरुवार दोपहर पशुशाला में आग लगने से पांच पशुओं की जलकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने बुझीकल आग बुझाई। बताया जाता है कि गुरुवार दोपहर पांच निवासी परवीन की पशुशाला के पास पशुगण के बच्चे खेल रहे थे। इसी बीच किसी बच्चे ने माचिस जला दी, जिससे पशुशाला में आग लग गई। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। परवीन के बुलाविक आग में जलकर उसके पांच पशुओं की मौत हुई है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के परिणाम का दिन राजनीतिक इतिहास में काला दिवस

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर गुरुवार को बैठक हुई। इसमें वक्ताओं ने पश्चिम बंगाल चुनाव की मतगणना प्रक्रिया को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसे राजनीतिक इतिहास का काला दिन बताया। आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों का दुरुपयोग कर जनमत के साथ खिलवाड़ किया गया। सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि इसी प्रकार की घटनाएं 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और 2024 के फर्रुखाबाद लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिली थी। उन्होंने मांग की कि संसद में पारित महिला आरक्षण

अमृत विचार

आयुक्त और डीएम समेत कई अधिकारियों ने भरा स्वगणना प्रपत्र

जनगणना 2027 : पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना जारी, अधिकारियों ने दूसरों से भी स्वगणना को प्राथमिकता देने की अपील की

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जनगणना के अन्तर्गत गुरुवार से स्वगणना की शुरुआत हुई। मंडलायुक्त, जिलाधिकारी सहित कई अधिकारियों ने भी ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। वेवसाइट पर मांगी गई जानकारी को भरकर स्व गणना की प्रक्रिया में हिस्सा लिया। अधिकारियों ने दूसरों को भी प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह ने जनगणना प्रक्रिया में स्वगणना फार्मेंट भरकर उसमें मांगी गई जानकारी वेबसाइट पर सबमिट की। वहीं कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने स्वगणना प्रपत्र ऑनलाइन भरा। निर्धारित फार्मेंट पर मांगी गई जानकारी के कालम में अपना और परिवार का विवरण भरकर फार्मेंट सबमिट किया। उनके अलावा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय आदि ने भी स्वगणना माध्यम से आनलाइन विवरण भरा। वहीं कलेक्ट्रेट में ही बंदोबस्त अधिकारी राजेंद्र राम ने



कलेक्ट्रेट में जनगणना प्रक्रिया के दौरान स्वगणना भरते जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया।



स्व गणना करते मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह।

जनप्रतिनिधियों ने पूरी की स्वगणना

मुरादाबाद, अमृत विचार : नगर निगम द्वारा शहर में चलाए रहे जनगणना अभियान में गुरुवार को स्वगणना के पहले दिन जनप्रतिनिधियों ने भी डिजिटल माध्यम से स्वगणना की प्रक्रिया आनलाइन पूरी की। इसके अलावा नागरिकों से भी इसके लिए आगे आने का आह्वान किया। नगर निगम के अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के घर व कार्यालय पर पहुंचकर स्वगणना प्रक्रिया समझाई। इसके बाद विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता ने डिजिटल माध्यम से स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। जनप्रतिनिधियों में इस पहल को देश के विकास एवं सटीक आकड़ों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। नागरिकों से सहभागिता करने का आह्वान किया।

अपने कार्यालय में स्व-गणना में मांगी गई जानकारी का पूरा विवरण क्रमवार भरकर सबमिट किया। अधिकारियों ने अपने अधिष्ठान के

अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा जनसामान्य से भी स्वगणना प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की अपील की। जनगणना के लिए अधिकारियों

बुके व उपहार की बजाय एक पुष्प व पुस्तक से करें स्वागत

मुरादाबाद, अमृत विचार : नवागत जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने स्वागत की परंपरा में बुके व अन्य उपहारों की बजाय एक पुष्प अथवा एक पुस्तक पहल को शुरू किया है। उनका कहना है कि बुके में कई बार प्लास्टिक के कृत्रिम पुष्प रहते हैं जिससे पर्यावरण को नुकसान होता है। साथ ही ताजे फूल दो चार दिन में मुरझा जाते हैं, जिससे उसकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है। जिलाधिकारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वह अपने कार्यालय के अलावा अन्य जगहों पर यहां तक की सार्वजनिक व अन्य समारोह में किसी के स्वागत के लिए एक पुष्प, एक पुस्तक को प्राथमिकता देते हैं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह ने भी इस संकल्प को दिया था।

● **व्हाट्सएप पर अस्वस्थ होने का हवाला देकर नहीं दर्ज करा रहे बयान**

क्या है पूरा मामला

अस्पताल संचालक लक्ष्मण सिंह ने दो फरवरी को शासन में शिकायत दर्ज कर सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह और डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए थे। शासन स्तर से मामले को गंभीर मानते हुए जांच एडी हेल्थ स्तर पर सौंप दी गई थी। इसी क्रम में शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए जाने हैं।

शिकायतकर्ता के बयान दर्ज होने के बाद ही जांच की अगली प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। बताया कि अगले महीने के अंत तक अगर बयान देने के लिए शिकायतकर्ता उपस्थित नहीं होते हैं तो फिर जांच बंद कर दी जाएगी।

रीजनल बॉक्सिंग में भानु प्रताप सिंह ने जीता स्वर्ण पदक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : केंद्रीय विद्यालय आगरा रीजनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन मेरठ में किया गया, जिसमें केंद्रीय विद्यालय मुरादाबाद के छात्र भानु प्रताप सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंडर-14 वर्ग के 48-50 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। सेमीफाइनल मुकाबले में केंद्रीय विद्यालय मथुरा के नवीन खान को दो-एक से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में केंद्रीय विद्यालय डोंगरा लाइन मेरठ के दक्ष



भानुप्रताप सिंह।

● **बॉक्सिंग प्रतियोगिता के फाइनल में मेरठ के दक्ष सिंह नेगी को पहले राउंड में हराया**

सिंह नेगी को पहले ही राउंड में आरएससीआई से पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। भानु प्रताप की इस उपलब्धि पर जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष राजीव गोयल, महासचिव व अंतरराष्ट्रीय रेफरी एसके क्षेत्री, उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता, पंकज गुप्ता, अजीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, पंकज शर्मा, योगेंद्र कुमार, रवि कुमार, केंद्रीय विद्यालय मुरादाबाद की प्राचार्य संगीता जैदी, पीटीआई सुधीर कुमार, सुभाष चंद्र माथुर ने बधाई दी।

जनगणना में लगे निगम कर्मों और शिक्षक, कार्य प्रभावित

मुरादाबाद, अमृत विचार : जनगणना कार्य में प्राथमिक शिक्षकों और नगर निगम के कर्मचारियों व अधिकारियों की झूठी के चलते रूटीन कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कभी जनगणना का प्रशिक्षण तो कभी प्रपत्र तैयार करने के लिए शिक्षक व कर्मचारी अपना मूल कार्य छोड़ कर जा रहे हैं। इससे स्कूलों में शिक्षण और नगर निगम कार्यालय में पटलों के काम पर असर पड़ रहा है। जनगणना में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों को अलग ब्लॉक मानकर झूठी लगाई गई है। शहरी क्षेत्र में नगर निगम के कर्मचारियों- अधिकारियों को भी जनगणना कार्य में लगाया गया है। शहर को चार जोन में बांटकर जनगणना होनी है। इसके प्रशिक्षण के साथ ही प्रपत्र तैयार करने में कर्मचारियों को आना-जाना पड़ रहा है। नगर निगम के संपत्ति व अन्य अनुभागों के कर्मचारियों के जनगणना झूठी के चलते नामांतरण, टैक्स वसूली प्रभावित हो रही है। शहर के विभिन्न मोहल्लों से कार्य के लिए कार्यालय पहुंचने पर टका सा जवाब मिल रहा है कि संबंधित कर्मचारी जनगणना झूठी में हैं। वहीं दूसरी ओर बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट स्कूलों के अधिकांश शिक्षकों की झूठी भी जनगणना में लगी है कई जगह तो एकल शिक्षक होने के चलते स्थिति यह बन रही है कि शिक्षक जनगणना कार्य के लिए न जाएं तो प्राथमिकी दर्ज कराने की धमकी मिल रही है वहीं स्कूल में न रुकें तो छात्र-छात्राओं की पढ़ाई टप हो रही है। यह स्थिति जनगणना के लिए दिए गए प्रशिक्षण में भी सामने आई। शिक्षकों ने उच्चाधिकारियों से अपनी विवशता बताई लेकिन उनके स्तर से भी समाधान नहीं मिला।

ऐसे करें स्वगणना प्रक्रिया

● स्व-गणना (सेल्फ इन्स्यूमिरेशन) की सुविधा है। इसमें नागरिक स्वयं अपना और घर का वांछित विवरण भर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट <https://se.census.gov.in> के लिंक पर जाकर अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकते हैं। ● स्व-गणना प्रक्रिया के लिए अधिकारिक वेबसाइट <https://se.census.gov.in> पर जाएं ● स्व-गणना का विकल्प चुने। ● मोबाइल नंबर और आधार के साथ रजिस्टर करें। ● परिवार और मकान का ब्योरा भरें। ● फॉर्म जमा करने के बाद जनरेट संदर्भ आईडी को सुरक्षित रखें।

यह देनी होगी जानकारी

● स्वगणना के दौरान राज्य, परिवार के मुखिया का विवरण और मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी से सत्यापन करें ● 31 प्रश्नों (आवास, सुविधा, परिवार विवरण) का फॉर्म ऑनलाइन भरें और अंत में स्वगणना आईडी सुरक्षित रख लें। जिसे बाद में आने वाले जनगणना कर्मचारी की दिखाना होगा।

जानकारी का विवरण

● परिवार की कुल संख्या, मकान के प्रकार, शौचालय, पीने का पानी, बिजली, इंटरनेट, और संपत्ति (गाड़ी, बाइक आदि) से संबंधित जानकारी भरें। ● जानकारी सबमिट करने के बाद एक विशिष्ट स्व-गणना आईडी मिलेगी। इसे सुरक्षित रखें। ● जब प्रणालि घर आए, तो उन्हें यह आईडी और मोबाइल नंबर बताएं।

और संबंधित कर्मचारियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि जनगणना के अन्तर्गत

जनगणना पोर्टल पर जाकर अपने परिवार से संबंधित विवरण भर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह लोगों को स्व-गणना के लिए

सिंचाई विभाग ने कब्जामुक्त कराई करोड़ों की जमीन



जमीन कब्जामुक्त कराने के दौरान मौजूद अधिकारी व स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों पर सिंचाई विभाग की टीम ने गुरुवार को पैमाइश कर चिन्हित की गई करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। शिकायतकर्ता फैसल मुमताज ने बताया कि उन्होंने ग्राम मोमिनपुर

● **भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी ने की थी शिकायत**

अहमदाबाद तहसील सदर रामपुर स्थित गाटा संख्या 599 सिंचाई विभाग की भूमि पर पुराना गंज सर्राफा बाजार निवासी अरुण कुमार और उनके पिता द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों की सांठ-गांठ से सरकारी भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया गया था। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री



ग्राम मोमिनपुर गोलघाटा से अतिक्रमण हटाती जेसीबी।

● अमृत विचार

योगी आदित्यनाथ, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी रामपुर से की थी। उनकी शिकायत पर जिला प्रशासन द्वारा तहसीलदार सदर को कार्रवाई के लिए लिखा गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए तहसीलदार द्वारा गठित राजस्व टीम ने सिंचाई विभाग की टीम द्वारा कब्जे की गई भूमि की पैमाइश की गई। जांच में शिकायत की पुष्टि हुई। जिस के आधार पर कब्जा की गई सरकारी जमीन और अवैध निर्माण को चिन्हित

सुरक्षा उपायों के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुरादाबाद रेल मंडल के अन्तर्गत आने वाले स्टेशनों पर एक से सात मई तक विद्युत सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। जिसका समापन गुरुवार को किया गया। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के निर्देश के क्रम में वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (सामान्य) जन्मेजय उपाध्याय के नेतृत्व में उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल के सभी स्टेशनों पर आयोजन किया गया। इसमें सभी स्टेशनों पर रेल विद्युत कर्मचारियों ने विद्युत सुरक्षा से संबंधित पोस्टर लगाकर प्रचार किया। विद्युत सुपरवाइजर ने कर्मचारियों को बिजली से संबंधित कार्य करते समय सावधानियों की

● **विद्युत सुरक्षा सप्ताह का गुरुवार को हुआ समापन** ● **मुरादाबाद रेल मंडल के रेलवे स्टेशनों पर लगाए पोस्टर**



विद्युत सुरक्षा सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद रेल कर्मी।

● अमृत विचार

जानकारी दी। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता (जनरल सर्विस) जन्मेजय उपाध्याय ने कहा कि बिजली संबंधी कार्यों को करते समय जीवन सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। ऐसा कार्य करते

काली मंदिर मामले में सुनवाई पर कोर्ट नहीं पहुंचा दूसरा पक्ष

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : श्री काली माता जी मंदिर के प्रकरण में महंत राम गिरि और श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के पदाधिकारियों के बीच चल रहे मुकदमे में गुरुवार को सिविल जज सीनियर डिबीजन के न्यायालय में सुनवाई नियत थी। तारीख पर जूना अखाड़े की ओर से कोई भी हाजिर नहीं हुआ और न ही कोई जवाब आया। अखाड़े ओर से किसी के पेश नहीं होने पर कोर्ट ने विपक्षीगणों को दोबारा नोटिस भेजते हुए सुनवाई के लिए अगली तारीख छह जुलाई मुकर्रर की है। पहले से चल रहे एक अन्य मामले में 17 मई की तारीख लगी हुई है। उसमें भी जूना अखाड़े को जबाब दाखिल करना है। लालबाग स्थित काली माता मंदिर और सिद्धपीठ नौ देवी प्राचीन काली मंदिर में गद्दी के विवाद में श्री

फैमिली आईडी से मिलेगा 76 से अधिक योजनाओं का लाभ

● **कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख छह जुलाई नियत की**

पंचदशनाम जूना अखाड़े के द्वारा यहां के महंतों को हटाकर दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद भी विवाद बना रहा। महंत राम गिरि ने अधिवक्ता राकेश जौहरी के माध्यम से सिविल जज सीनियर डिबीजन के न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। इस पर सात मई को सुनवाई की तारीख नियत की गई थी, लेकिन नियत तारीख पर दूसरे पक्ष की ओर से कोई हाजिर नहीं हुआ और न ही कोई जवाब आया है। जून में अवकाश होने के कारण कोर्ट के द्वारा छह जुलाई की अगली तारीख निर्धारित की है।

फैमिली आईडी से मिलेगा 76 से अधिक योजनाओं का लाभ

रामपुर, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के माध्यम से लोगों की मुफ्त फैमिली आईडी बनाई जा रही है। पालिकाध्यक्ष सना मामून ने बताया कि फैमिली आईडी 12 अंकीय डिजिटल पहचान है जो राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का राशन कार्ड के बिना भी 76 से अधिक योजनाओं एवं आय-जाति जैसे प्रमाण पत्र बनवाने में मदद करती है। फैमिली आईडी परिवार का सत्यापित डेटाबेस बनाकर कागजी कार्रवाई कम करती है। बताया कि फैमिली आईडी वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति, और कृषि सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे प्राप्त होता है। जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, वे भी फैमिली आईडी के माध्यम से सरकारी सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। आय, जाति, मूल निवास, और जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में आसानी होती है।

आयोजन

भारतीय सेना का साहस और अनुशासन प्रेरणादायक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: 23 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर बटालियन की सब यूनिट महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कंपनी कमांडर मेजर राजीव ढल एवं प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एनसीसी कैडेटों एवं अधिकारियों ने राष्ट्रगान किया।

मेजर राजीव ढल ने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले तथा उसके बाद भारतीय सेना द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई को “ऑपरेशन सिंदूर” के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि



आपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ कार्यक्रम में मौजूद कैडेट्स।

● अमृत विचार

घाटी जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जाना जाता है में पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे, तभी आतंकियों ने हमला कर कई निर्दोषों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद भारत सरकार ने कड़े रणनीतिक कदम उठाए। भारतीय सेना ने आतंकवादी

टिकानों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की। उन्होंने भारतीय सेना के साहस,अनुशासन और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनके समर्पण को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कैडेटों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा देशभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

● **एनसीसी कैडेटों ने मनाई ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ** ● **आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की**

महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान कैडेटों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम का जयघोष किया। इस दौरान प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला, 23 यूपी बटालियन के जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) लोकेंद्र सिंह, हवलदार तेज कुमार लिम्बू, हवलदार दिव्य प्रकाश राय सहित बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

त्रिशूल संग्रहालय में सेना के शौर्य का किया प्रदर्शन

मुरादाबाद, अमृत विचार : ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर गुरुवार को नगर निगम द्वारा बुद्धि विहार में बने त्रिशूल रक्षा संग्रहालय (वार मेमोरियल) में डिजिटल स्क्रीन पर रंगबिरंगी लाइटों की जगमगाहट के बीच सेना के शौर्य व अदम्य साहस को प्रदर्शित किया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की कार्रवाई और प्रधानमंत्री के द्वारा सेना का उत्साह बढ़ाने का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसे देखकर लोग रोमांचित हुए। नगर आयुक्त ने बताया कि इस संग्रहालय के विधिवत उद्घाटन के बाद ऐसे कार्यक्रम नागरिकों को हमेशा देखने को मिलेंगे।

सूचना
 १. इश्वर जी की पत्नी स्व. खलील
 २. ब्राह्मणी सेवनी नानकार थाणा गंज
 ३. अल्ल रामपुर अजमेरा पत्रांश खान व
 ४. सली पत्नी मायिया जिजा को अपनी
 ५. लाल व अचल सम्पत्ति व अपने सम्बन्धों
 ६. वेदखल कर रही हैं। दिनांक 7.5.
 ७. 2026 के बाद उपरोक्त दोनों के किसी
 ८. भी कृत्य के लिए मैं व मेरे परिवार के
 ९. सम्बन्धित सदस्य जिम्मेदार नहीं होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

मुख्तार अब्बास नकवी कल रामपुर आएंगे

रामपुर, अमृत विचार : भाजपा वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी रामपुर के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। वो 9 मई को दोपहर रामपुर पहुंचेंगे। उत्सव पैलेस में भाजपा के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के समापन सत्र में भाग लेंगे। जिसमें जिले के सभी हारे, जीते सांसद, विधायक, जिला पंचायत, स्थानीय निकाय के सदस्य, चेयरमैन, अध्यक्ष, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत जनप्रतिनिधि, जिला और मंडल कार्यकारिणी, पदाधिकारी , मोर्चा, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता आदि भाग लेंगे। नकवी 10 मई को प्रातः शंकरपुर स्थित अपने आवास पर कार्यक्रमताओं, जन प्रतिनिधियों, आम लोगों से मुलाकात करेंगे, इसके बाद दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

केमरी क्षेत्र में आज चार घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

हिलासपुर, अमृत विचार : विद्युत वितरण उपखंड केमरी के उपभोक्ताओं को चार रहे सात आरोंपियों को गिरफ्तार कर शांतिभंग की कार्रवाई की है। पुलिस अलग अलग जगहों पर हो रहे झगड़ो की सूचना पर मौके पर पहुंच गई और आपस झगड़ रहे छतर सिंह निवासी मीरापुर मीरगंज, मुन्वर उर्फ नन्हे निवासी बिजारखाता, उत्पन्न और रऊफ निवासी किशनपुर मौलापाद, नईम निवासी रसूलपुर, जावेद निवासी बिजारखाता तथा अजहरउद्दीन उर्फ पणू निवासी अहमदनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की है।

स्वार पुलिस ने सात लोगों का किया चालान

स्वार, अमृत विचार : थाना स्वार पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर लड़ाई झगड़े कर रहे सात आरोपियों को गिरफ्तार कर शांतिभंग की कार्रवाई की है। पुलिस अलग अलग जगहों पर हो रहे झगड़ो की सूचना पर मौके पर पहुंच गई और आपस झगड़ रहे छतर सिंह निवासी मीरापुर मीरगंज, मुन्वर उर्फ नन्हे निवासी बिजारखाता, उत्पन्न और रऊफ निवासी किशनपुर मौलापाद, नईम निवासी रसूलपुर, जावेद निवासी बिजारखाता तथा अजहरउद्दीन उर्फ पणू निवासी अहमदनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की है।

पंचायत व विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे : संधू

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइंस रामपुर स्थित अपना दल एस रामपुर के जिला कार्यालय पर गुरुवार को पार्टी की मासिक समीक्षा बैठक हुई। जिलाध्यक्ष चौधरी घनवीर सिंह संधू अध्यक्षता में बैठक सपन हुई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सेक्टर, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर पंचायत चुनाव व विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। पार्टी की नीतियों व विचारधारा की जानकारी लोगों को देकर लोगों को अपना दल एस पार्टी से जोड़ने का काम करें। जिला महासचिव जसवंत पटेल ने कहा कि पार्टी रामपुर के जिला पंचायत के सभी वार्डों में मजबूत प्रत्याशी उतारेंगी। बैठक का संचालन जिला महासचिव मोहम्मद

मेधावी सम्मान समारोह 27 को होगा

रामपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन रामपुर द्वारा प्रदेश महामंत्री भारत भूषण गुप्ता की अध्यक्षता में उनके आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र अग्रवाल ने बताया कि 27 मई को उत्सव पैलेस रामलीला मैदान में “मेधावी छात्र अभिन्दन एवं सम्मान समारोह” करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को भव्य बनाने को लेकर मंथन हुआ। कार्यक्रम को प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में तथा वैश्य समाज के रामपुर के सम्मानित उद्योगपतियों, व्यापारियों व समाजसेवी व्यक्तियों की मौजूदगी में करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में कक्षा-10 एवं कक्षा-12 के यूपी बोर्ड तथा सीबीएसई बोर्ड के उच्चतम अंक प्राप्त 10-10 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यतिथि अखिल भारतीय महासम्मेलन

580 किग्रा एडिबल वेजिटेबल और राइस ब्रान ऑयल सीज खाद्य विभाग की टीम ने शहर और देहात में चलाया अभियान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी शोकाथम के लिए सुनील कुमार शर्मा सहायक आयुक्त खाद्य एवं अभिहित अधिकारी सुनील शर्मा द्वारा बुधवार और गुरुवार जिले में दो दिन विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसमें खाद्य विभाग की टीम ने 580 किग्रा. एडिबल वेजिटबल ऑयल व राइस ब्रान ऑयल सीज किया। जबकि दस नमूने संग्रहित किए हैं।

विशेष छापामार अभियान में सदर बाजार टांडा स्थित नफीस किराना स्टोर के मोहम्मद मुस्तकीम से एडिबल वेजिटेबल ऑयल का 1 नमूना लिया। जबकि गुणवत्ता के संदेह पर लगभग 523 किग्रा. (35 टोन) एडिबल वेजिटेबल ऑयल को सीज किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 62,760 रुपये है। यहां राइस बान ऑयल रॉयल



खाद्य विभाग की टीम छानबीन करती हुई।

कोल्हू ब्रांड का 1 नमूना लिया। गुणवत्ता के संदेह पर लगभग 58 लीटर (4 टोन) राइस ब्रान ऑयल को सीज किया, इसकी अनुमानित कीमत 8,700 रुपये है। वहीं बिजारखाता तहसील स्वार स्थित इदरीश किराना स्टोर के मोहम्मद इदरीश से रिफाईड सोयाबीन ऑयल का 1 नमूना लिया। गडैयान नादर बाग शौकत अली रोड रामपुर स्थित एक कंपनी के स्टोर के

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती



रवींद्रनाथ टैगोर के चित्र पर पुष्प अर्पित करता विद्यालय का स्टाफ।

स्वार, अमृत विचार: रुस्तमनगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में गुरुवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई। वंदना सभा के बाद विद्यालय के सभी आचार्यों, वंदन प्रमुख भैया-बहनों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि दी। प्रधानाचार्य विनोद कुमार मिश्रा ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर का

जन्म 7 मई 1861 को कलकत्ता में हुआ। महान साहित्यकार, रचनाकार, उपन्यासकार और कवि थे। उन्होंने भारत के राष्ट्रगान की रचना की। उन्हें साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, बृजकिशोर, संजय सिंह, गौरव सिंह, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, बालिका शिक्षा प्रमुख राधा शर्मा, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य एवं पूजा टैगोर आदि मौजूद रहे।

याकूब अली एडवोकेट व विधानसभा अध्यक्ष चमरौआ महबूब अली पाशा ने किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मोहन लाल गंगवार फौजी, जिला सचिव शैलेष वर्मा, जिला सचिव हाजी महबूब, शकील अंसारी, जिलाध्यक्ष व्यापार मंच हाजी पुत्तन, जिलाध्यक्ष विधि मंच चौधरी वीरेंद्र सिंह, जिला सचिव रामरतन लाल सागर, जिला कार्यकारिणी सदस्य कृपाल सिंह सेनी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रामप्रसाद जाटव, विधानसभा अध्यक्ष स्वार टांडा शरीफ जमील, जोन अध्यक्ष शंकरपुर, सत्यपाल सिंह लोधी, फैज पाशा, जोन अध्यक्ष सैदनगर चौधरी सत्यवीर सिंह, कमरुद्दीन, रईस अहमद, मीडिया प्रभारी अजय सिंह लोधी सहित के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नियुक्त होंगे छात्रों के आवेदन

रामपुर जिले के मेधावी छात्रों की नियुक्त आवेदन पत्र अग्रवाल मेडिकल स्टोर, राजद्वारा रोड, रामपुर, केसीसी कंप्यूटर, पीपल टोला, रामपुर, आरके एंजनीज, चंपा कुमारी मार्केट, रामपुर, धीरज सिंघल सर्राफ पुराना गंज, रामेंद्र गुप्ता कंचन कन्युनिकेशन ज्वाला नगर, सजल अग्रवाल सर्राफ, पुरानी आवासी विकास के यहां से प्राप्त होंगे।

उप्र के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर एस. हलवासिया रहेंगे। रामपुर के वैश्य समाज के प्रसिद्ध उद्योगपति पवन जैन की अध्यक्षता और रजा लड़ाब्रेरी के निदेशक पुष्कर मिश्रा के सानिध्य में आयोजित होगा। मुख्य वक्ता वैश्य समाज के

प्रतिनिधि भारत भूषण गुप्ता होंगे। बैठक में कार्यकारी जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता एडवोकेट, महामंत्री शरद गुप्ता एवं वेद प्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, वीरेंद्र गंग, प्रवेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

खेतों में फसल अवशेष जलाने पर लगेगा जुर्माना

रामपुर, अमृत विचार: उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया कि किसानों द्वारा गेहूं फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। कहा कि फसल अवशेषों को जलाने से रोका जाना जरूरी है। कहा कि दो एकड़ से कम भूमि में अवशेष जलाने पर 5 हजार, दो से पांच एकड़ भूमि में अवशेष जलाने पर 10 हजार एवं पांच एकड़ से अधिक भूमि में फसल के अवशेष जलाने पर 30 हजार रुपये पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूली की जाएगी। किसानों द्वारा एक टन फसल के अवशेष जलाने से लगभग 5.5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटाश, 1.2 किलोग्राम गन्धक तथा 400 किलोग्राम जैविक कार्बन के अतिरिक्त अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। जो हमारी भूमि व फसलों के लिए बहुत ही लाभदायक व महत्वपूर्ण है। फसल अवशेष जलाने से मीथेन व नाइट्रिक ऑक्साइड जैसी अति जहरीली गैस निकलती है। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है तथा मनुष्य, पशु व पक्षियों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

गुदड़ी मेले के ठेके में लाखों की बकाया राशि का मामला गरमाया

मसवासी, अमृत विचार: नगर पंचायत मसवासी में आयोजित वर्ष 2025-26 के आदर्श गुदड़ी मेले के ठेके को लेकर अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नगर पंचायत के सभासदों ने मेले के ठेकेदार पर लाखों रुपये की बकाया धनराशि जमा न करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से जांच और कार्रवाई की मांग की है।

सभासद मोहम्मद उवैस समेत कई सभासदों ने भेजे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि आदर्श गुदड़ी मेले का ठेका 8 लाख 15 हजार रुपये में काशीपुर निवासी सरिता गुप्ता पत्नी रामप्रकाश को दिया गया था। आरोप है कि ठेके की कुल धनराशि में से केवल 4 लाख 50 हजार रुपये ही नगर पंचायत में जमा कराए गए,

खेतों में फसल अवशेष जलाने पर लगेगा जुर्माना

रामपुर, अमृत विचार: उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया कि किसानों द्वारा गेहूं फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। कहा कि फसल अवशेषों को जलाने से रोका जाना जरूरी है। कहा कि दो एकड़ से कम भूमि में अवशेष जलाने पर 5 हजार, दो से पांच एकड़ भूमि में अवशेष जलाने पर 10 हजार एवं पांच एकड़ से अधिक भूमि में फसल के अवशेष जलाने पर 30 हजार रुपये पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूली की जाएगी। किसानों द्वारा एक टन फसल के अवशेष जलाने से लगभग 5.5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटाश, 1.2 किलोग्राम गन्धक तथा 400 किलोग्राम जैविक कार्बन के अतिरिक्त अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। जो हमारी भूमि व फसलों के लिए बहुत ही लाभदायक व महत्वपूर्ण है। फसल अवशेष जलाने से मीथेन व नाइट्रिक ऑक्साइड जैसी अति जहरीली गैस निकलती है। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है तथा मनुष्य, पशु व पक्षियों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

गुदड़ी मेले के ठेके में लाखों की बकाया राशि का मामला गरमाया

- नगर पंचायत सभासदों ने जांच की मांग उठाई
- ठेकेदार पर लाखों रुपये की राशि जमा न करने का आरोप

जबकि 3 लाख 65 हजार रुपये की शेष रकम सात माह बीत जाने के बावजूद अब तक जमा नहीं की गई है। सभासदों का कहना है कि इस मामले की जानकारी अधिशासी अधिकारी को भी कई बार पत्रों के माध्यम से दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामले को लेकर नगर पंचायत में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोगों में भी नाराजगी देखने को मिल रही है। इतना ही नहीं, शिकायत में नगर पंचायत में संविदा कर्मचारियों के नाम पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सभासदों ने दावा किया

नगर पंचायत मसवासी की बोर्ड बैठक फिर रही बेनतीजा, प्रदर्शन

संवाददाता मसवासी

अमृत विचार: नगर पंचायत मसवासी में विकास कार्यों को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को आयोजित नगर पंचायत बोर्ड बैठक एक बार फिर कोरम के अभाव में स्थगित करनी पड़ी। बैठक का बहिष्कार करते हुए सभासदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष पर मनमानी, हठधर्मी और विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाया है। नाराज सभासदों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। सभासदों का आरोप है कि पिछले करीब तीन वर्षों से नगर पंचायत में विकास कार्य प्रभावित हैं और अधिकांश वार्डों में मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उनका कहना है कि नगर पंचायत अध्यक्ष सभासदों की बातों को नजरअंदाज कर अपनी मनमर्जी से कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते बोर्ड की बैठकों में लगातार गतिरोध बना हुआ है। सभासदों ने बताया



मसवासी में नगर पंचायत प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते सभासद।

● सभासदों ने लगाया मनमानी का आरोप

कि इससे पहले भी 6 मई 2025 और 17 मई 2025 को आयोजित बैठकों का बहिष्कार किया गया था। उन बैठकों में भी कोरम पूरा नहीं हो सका था। इसके बावजूद समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। गुरुवार को आयोजित बैठक में भी अधिकांश सभासद शामिल नहीं हुए, जिसके कारण बैठक निरस्त करनी पड़ी। सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत अध्यक्ष किसी भी वार्ड में विकास कार्य कराने को गंभीर नहीं हैं, जिससे नगर का

विकास पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र में सभासदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा कराए गए कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मंडलायुक्त मुरादाबाद और जिलाधिकारी रामपुर को भी भेजी गई है। उधर नगर पंचायत अध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल ने सभासदों के आरोप को निराधार बताया है। शिकायत पत्र पर सभासद अनिल कुमार, जितेंद्र चंद्रा, साहिबे नूर, इरशाद अंसारी, भगवती प्रसाद, कुलदीप सिंह और उवेश सहित कई सभासदों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

मुकाबला-ए-किराअत में मोहम्मद आदिल अव्वल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: इतकानुल कुरआन एकेडमी में गुरुवार को मुकाबला-ए-किराअत हुआ। किराअत में मदरसा जामे उल उलूम फुरकानिया के छात्र मोहम्मद आदिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र को मेडल तथा नकद पांच हजार रुपये से सम्मानित किया गया।

यह रूहानी और इल्मी मुकाबला खास तौर पर शहर के स्कूलों और मदरसों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ। किराअत की तीन प्रसिद्ध शाखाओं तरतील, तदवीर और तहदीर में से यह प्रतियोगिता केवल तदवीर शाखा में आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी बेहतरीन किराअत पेश की। प्रतियोगिता में विभिन्न मदरसों और शिक्षण संस्थानों के



आदिल को सम्मानित करते अतिथि।

● मदरसा जामे उल उलूम फुरकानिया का छात्र ने किया नाम रोशन

छात्रों ने प्रतिभाग किया। मोहम्मद आदिल की मधुर आवाज, उत्कृष्ट तजवीद और प्रभावशाली अंदाज-ए-किराअत को उपस्थित लोगों एवं निर्णायक मंडल ने खूब सराहा। उनकी इस उपलब्धि पर मदरसा जामे उल उलूम फुरकानिया के शिक्षकों, छात्रों और जिम्मेदारों ने भी खुशी का इजहार किया।

न्यूज़ डायरी

खौद चौकी के सामने बना ई-रिक्शा स्टैंड, लग रहा जाम

रामपुर, अमृत विचार : अजीमनगर थाना क्षेत्र की खौद चौकी के ठीक सामने मुख्य सड़क पर अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा स्टैंड राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े रहने वाले इन ई-रिक्शों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। व्यस्त मार्ग होने के बावजूद बीच सड़क पर रिक्शों का जमावड़ा न केवल यातायात को बाधित करता है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। इसी अत्यवस्था के चलते दो दिन पहले एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें एक ई-रिक्शा की चपट में आने से एक ग्रामीण गंभीर रूप से चोटिल हो गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पुलिस चौकी के बिस्तुल नजदीक यह सब होने के बावजूद जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं। ई-रिक्शा चालकों की मनमानी पार्किंग से पैदल चलने वालों को भी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़ी चेतावनी के साथ मांग की है कि सड़क से इस अवैध स्टैंड को तुरंत हटाया जाए और चालकों के लिए एक निश्चित स्थान तय किया जाए, ताकि भविष्य में होने वाले हादसों पर लगाम लग सके



योग से आनलाइन जुड़ने का आह्वान

रामपुर, अमृत विचार : आयुष मंत्रालय द्वारा योग 365 दिन थीम के अंतर्गत श्री आनलाइन योग सत्र आयोजित हो रहा है। गुरुवार को आयुधमान आरोप्य मंदिर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर के योग प्रशिक्षक राजीव कुमार एवं अर्चना गुप्ता ने राजकीय जुटिफकार बालिका इंटर कॉलेज में छात्राओं को योग के प्रति जागरूक किया। योग प्रशिक्षक राजीव कुमार ने कहा कि छात्राएं अपने अभिभावकों को लिंग के माध्यम से योग अभ्यास कराएं, आयुष मंत्रालय 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डॉ. मनोज आर्य के निर्देशन में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ ही विभाग द्वारा जारी लिंक और टोल फ्री नंबर 18003157008 से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने का आह्वान किया गया। प्रधानाचार्य डॉ शालू कोशल एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक हेक्टेयर में 7 यूरिया के कट्टे देने का किसानों ने जताया विरोध

रामपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन अंबावता की पंचायत ग्राम सनकरा की साप्ताहिक बाजार में संगठन हुई। पंचायत में किसानों ने यूरिया खाद न मिलने एक हेक्टेयर पर 7 यूरिया के कट्टे एक वर्ष में सरकार द्वारा दिए जाने का कानून बनाए जाने पर किसानों ने आक्रोश और विरोध जताया। प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी ने कहा कि सरकार की इस नीति के कारण किसान बर्बाद हो जाएगा। जबकि एक बीघा जमीन में ही तीन कट्टे यूरिया खाद पड़ता है। सरकार द्वारा एक हेक्टर पर 1 वर्ष में 7 कट्टे दिए जाने का जो आदेश कानून बनाया वह सरासर गलत है। भारतीय किसान यूनियन अंबावता इसका जमकर विरोध करेगी। 17 मई को लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रishiपाल अंबावता के नेतृत्व में महापंचायत होगी। पंचायत की अध्यक्षता अमरजीत सिंह ने की। संचालन उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंकेदर ने किया। इस दौरान निर्मल सिंह, विकास, सूरजपाल, श्याम मोहन पांडे, इलियास अहमद, बिलाल अहमद आदि रहे।



न्यूज ब्रीफ

विरोध करने पर महिला को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार : खजुरिया थाना क्षेत्र के गांव कनकपुर की गोटिया निवासी सावित्री द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें बताया कि वह पड़ोस से वापस अपने घर जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही महेन्द्र ने उन्हें रोक लिया और रंजिशन अभद्र गालियां देनी शुरू कर दीं। विरोध करने पर महेन्द्र उसकी पत्नी और बेटी ने महिला को धेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आस-पास के लोग जमा हुए तो जाने से माने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थानाध्यक्ष पंकज पंत ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर तीनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। कहा कि मामले की विवेचना की जा रही है।

नाबालिग को ले जाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार : थाना खजुरिया क्षेत्र के गांव सराय कदीम निवासी महेन्द्र पाल द्वारा थाने रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें कहा कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री मंजू को बीते मंगलवार की सुबह के समय अचानक घर से कहीं चली गई। काफी खोजबीन और रिश्तेदारों से संपर्क करने के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिवार को अंदेशा हुआ कि एक युवक उसे बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है।

चमक के साथ बारिश, मंडराए बादल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: गुरुवार तड़के में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई। पूरे दिन आसमान में बादल मंडराते रहे और रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी होती रही। बारिश से मौसम खुशगवार हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम वैज्ञानिकों ने 7 मई तक गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया था और गुरुवार तड़के गरज चमक के साथ बारिश हुई। दिन में बादल मंडराते रहे और दोपहर में हल्की बूंदाबांदी से मौसम खुशगवार हो गया। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो इसके बाद मौसम शुष्क रहेगा और तापमान बढ़ता जाएगा। 25 मई से 2 जून तक नौ तपा रहेगा और आसमान से आंच की बारिश होगी। मौसम वैज्ञानिक डॉ. उदय प्रताप शाही ने बताया कि इस

बैंकों की धीमी प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी

रामपुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक हुई। बैठक के दौरान विभिन्न बैंकों द्वारा योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रगति अत्यंत खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा

बिना परमिट के दौड़ती मिलीं 20 स्कूल बसें, होगी कार्रवाई

परिवहन विभाग ने वाहनों की सूची जारी की, आज से होगी सख्ती

कार्यालय संवाददाता रामपुर

अमृत विचार: रामपुर जिले में परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों के पोर्टल पर अपलोड अभिलेखों की जांच के दौरान 17 विद्यालयों के कुल 20 वाहनों के परमिट समाप्त पाए गए हैं। स्कूलों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है, इसके लिए 8 मई के बाद वाहनों को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से परमिट नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालयों के बिना वैध परमिट वाले वाहनों के स्कूल प्रबंधकों को नोटिस जारी कर दिए हैं। उनमें मैनेजर मॉनिंग बेल्स स्कूल, स्वार

●**एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव ने चेकिंग अभियान चलाकर दी वाहन चालकों को चेतावनी**

रामपुर, तारक एजुकेशन एकेडमी पटवाई, डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल बिलासपुर, शहीद भगत सिंह गर्ल्स इंटर कॉलेज शाहबाद, न्यू लाइट पब्लिक जूनियर हाई स्कूल बिलासपुर, विद्या इंटर कॉलेज मिलक, गुरु नानक प्राथमिक विद्यालय बिलासपुर, सेंट पॉल स्कूल सिविल लाइन, सिमरा पब्लिक स्कूल सिंगनखेड़ा, हाईटॉल पब्लिक स्कूल बरेली रोड, एसडीएस ज्योति मंदिर एनएस स्कूल बिलासपुर, ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल बरेली रोड, श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल बिलासपुर, अकल एकेडमी स्कूल ग्राम तेलीपुरा चौखंडी, पीडीजीवीवी जूनियर हाई स्कूल

डकिया, जागनलाल पब्लिक स्कूल कमरुद्दीन नगर मिलक तथा गायत्री गर्ल्स इंटर नेशनल स्कूल बिलासपुर शामिल हैं। परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि 8 मई 2026 के बाद भी बिना परमिट वाहन संचालित पाए जाते हैं तो ऐसे वाहनों को तत्काल प्रभाव से निरुद्ध कर दिया जाएगा। विभाग ने कहा कि इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रशासन की होगी। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई है कि वे बिना वैध परमिट संचालित स्कूलों वाहनों में अपने बच्चों को यात्रा न करने दें। यदि कोई वाहन बिना परमिट संचालित होता दिखाई दे तो उसकी सूचना एवं फोटो परिवहन विभाग के व्हाट्सएप नंबर 9456948811 पर भेजें। मामले में तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

गलत पदोन्नति मामले में 13.91 लाख रिक्वरी का नोटिस

रामपुर, अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग ने कथित नियमविरुद्ध पदोन्नति मामले में एक कर्मचारी को 13.91 लाख रुपये की रिक्वरी का नोटिस जारी किया है। वित्त एवं लेखाधिकारी, विकास खंडेलवाल ने जारी नोटिस के अनुसार चपरासी पद पर कार्यरत नेगपाल सिंह को पूर्व में नियमविरुद्ध तरीके से पदोन्नति का लाभ मिला था। विभागीय जांच के बाद उनकी पदोन्नति निरस्त कर पुनः चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर प्रत्यावर्तित किया गया। नोटिस में कहा गया है कि 10 अक्टूबर 2018 से अगस्त 2025 तक कर्मचारी ने अधिक वेतन का लाभ लिया। इस दौरान वेतन अंतर के रूप में कुल 13,91,182 रुपये का भुगतान हुआ, जिसे अब विभाग ने अनुचित भुगतान मानते हुए वापस जमा कराने के आदेश दिए हैं। विभाग ने कर्मचारी को 15 दिन के भीतर पूरी धनराशि सरकारी राजकोष में जमा करने के निर्देश दिए हैं।



बूदाबांदी में छाता लगाकर जाती महिलाएँ।

को बढ़ाकर बादल बनाने में सहायक होती है।

हादसे में घायल बड़ी बेटी की मौत

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार: बुधवार को नैनीताल हाईवे पर गांव लाला वाला बाग के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस ने स्कूटी को रौंद दिया था। इसमें भोट थाना क्षेत्र के मुंडिया मनकरा निवासी मोहम्मद हनीफ (50) व छोटी बेटी सानिया (20) की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे में घायल बड़ी बेटी स्वालेहा ने गुरुवार को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। स्वालेहा की 17 मई को बारात आनी थी। जबकि उनके भाई फरमान की बारात जानी थी। परिवार में तीन मौतों से कोहराम मचा है, शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

भोट थाना क्षेत्र के मुंडिया मनकरा निवासी मोहम्मद हनीफ (50) के बेटे मोहम्मद हनीफ के बेटे फरमान अली की 18 मई को बारात जानी थी। जबकि बेटी स्वालेहा का 17 मई को



मोर्चरी पर मौजूद गमजदा परिजनों के साथ पूर्व विधायक संजय कपूर।

●**बुधवार को हादसे में स्कूटी सवार पिता व छोटी बेटी की हुई थी मौत**

निकाह तय हुआ था। शादी के चलते परिवार तैयारी को लेकर खरीदारी में लगा हुआ था। बुधवार को वो गांव से बड़ी बेटी सुहालेहा और छोटी बेटी सानिया (20) के साथ स्कूटी पर खरीदारी के लिए बिलासपुर जा रहे थे। कट पर अपनी साइड जाने के दौरान उन्होंने विपरित दिशा में स्कूटी ले ली, इसी दौरान लाला वाले बाग

सब्जी लेकर लौट रही महिला पर सांड ने किया हमला

शाहबाद, अमृत विचार : बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रही महिला पर बुधवार को एक आबारा सांड ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया। महिला के पैर में फ्रैक्चर बताया गया है। नगर के मोहल्ला मंगोली निवासी अरविंद की पत्नी कमलेश बुधवार को बाजार से सब्जी खरीदकर घर लौट रही थीं। पेट्रोल पंप के सामने अचानक एक सांड ने उन पर हमला कर दिया। सांड की टक्कर लगने से महिला सड़क पर गिर गई और गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे परिजन घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया। बाद में परिजन महिला को बेहतर इलाज के लिए मुरादाबाद ले गए। परिजनों के अनुसार महिला की टांग में फ्रैक्चर हुआ है।

वीर एकलव्य जैसा शिष्य इतिहास में कोई दूसरा नहीं: कमल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला सराय गेट स्थित संतोषी मंदिर बाबा रामस्वरूप तुरैहा की समाधि पर गुरुवार को एकलव्य जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तुरैहा मछुआ समाज के जिला अध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा ने कहा कि वीर एकलव्य जैसा शिष्य इतिहास में कोई दूसरा नहीं है। इससे पहले समाज के लोगों ने वीर एकलव्य के चित्र पर पुष्पअर्पित कर नमन किया।

समाज में शिक्षा का अभाव है, इस कारण समाज एकता के सूत्र में नहीं बंध पाया। कहा कि 21 मई तक स्व-जनगणना होगी इसलिए समाज का प्रत्येक परिवार राष्ट्रीय स्व-जनगणना पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार की जनगणना करते हुए जाति वाले कॉलम में तुरैहा अनुसूचित जाति ही अंकित करें। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार से

डीएम ने की स्व-जनगणना में हिस्सा लेने की अपील

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: गुरुवार 7 मई से भारत जनगणना-2027 के पहले फेज के तहत स्व-जनगणना अभियान शुरू हो गया है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने गुरुवार को अपनी स्व-जनगणना पूरी कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड की। उन्होंने जिलेवासियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि नागरिक मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे अपनी और अपने मकान से संबंधित जानकारी आसानी से भर सकते हैं। यह प्रक्रिया बेहद सरल है और इसे पूरा करने में लगभग 10 से 15 मिनट का समय लगता है। नागरिकों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर, वेबसाइट और पोर्टल पर विस्तृत गाइडलाइन उपलब्ध कराई गई है जिलाधिकारी ने बताया कि अन्य माध्यमों से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। स्व-जनगणना का पहला चरण 7 मई से 15 मई तक चलेगा।



स्वगणना की जानकारी देते जिलाधिकारी।

अपलोड होने के बाद एक यूनिक आईडी जनरेट होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य है। सत्यापन के लिए गणना अधिकारी, लेखपाल या संबंधित कर्मचारी के पहुंचने पर यह आईडी दिखानी होगी। उन्होंने जिलेवासियों से स्वयं स्व-जनगणना करने और अपने मित्रों व रिश्तेदारों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया के माध्यम से भी अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने पर जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा शिक्षा विभाग, लेखपालों और अन्य माध्यमों से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। स्व-जनगणना का पहला चरण 7 मई से 15 मई तक चलेगा।



बिलासपुर में जयंती मनाते तुरैहा मछुआ समाज के लोग।



वीर एकलव्य के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते लोग।

वीर एकलव्य पुरस्कार जारी करने की मांग की जायेगी। जिला मंत्री रामसिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। इस मौके पर राम सिंह तुरैहा , विनोद कुमार , अजय कुमार प्रधान, राज कुमार, अर्जुन कुमार, रमेश तुरैहा, मोहनलाल, डॉ. भूदेव सिंह, राधेश्याम, अरविंद कुमार, कमल कुमार मुन्ना, रवि कुमार, दौलत राम, रामगोपाल पंडित जी, मुरारी लाल, विक्रम सिंह, राम सरन, आकाश आदि मौजूद रहे।

मछुआ समाज ने धूमधाम से मनाई वीर एकलव्य जयंती
बिलासपुर, अमृत विचार : गुरुवार को तुरैहा मछुआ समाज द्वारा माटखेड़ा रोड़ निवासी व संगठन के जिला मंत्री रामकिशोर तुरैहा के आवास पर धनुष धुरंधर निषाद के पुत्र वीर एकलव्य जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसमें वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार से द्रोणचार्य एवं अर्जुन पुरस्कार बंद कर उसकी जगह एकलव्य पुरस्कार प्रदान करने की मांग की गई। कहा कि एकलव्य का अंगुठा दान में नहीं दिए गए, बल्कि जबरदस्ती एकलव्य का अंगुठा काटा गया था। अब किसी एकलव्य का अंगुठा नहीं कटवाया जाएगा। कहा कि हमारा समाज शिक्षा व रोजगार में काफी पीछे है। इसका कारण समाज को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाना है। जिनको समाज ने धरावल से मंत्री तक पहुंचाया, उन्होंने ही समाज की कोई सुध नहीं ली। जिसके कारण आज समाज की बुरी दशा हो रही है। इस मौके पर बाल किशोर तुरैहा, गोविंदराम, केशव शरण, पप्पू, सीताराम, रमेश चंद, रामकिशोर, कृपाल सिंह तुरैहा, हरिशंकर, प्रदीप कुमार, राधेश्याम, अरविंद कुमार, सुभाष चंद, दिनेश कुमार, रवि तुरैहा, राहुल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

बूथ प्रभारी सक्रियता के साथ करें कार्य: अमृता रंधावा

स्वार, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर गुरुवार को नगर मंडल की बैठक हुई। मुख्यातिथि एवं जिला मंत्री अमृता रंधावा ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद अंगवस्त्र श्रेट कर मुख्यातिथि का स्वागत किया। जिला मंत्री अमृता रंधावा ने कहा कि नगर मंडल के 18 सेक्टर संयोजक, प्रभारी, मंडल कार्यकारिणी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं बूथ प्रभारी अपने अपने बूथों पर सक्रियता के साथ कार्य करें और संगठन को मजबूत बनाएं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने का आह्वान किया। बैठक के समापन पर देवेन्द्र कुमार दिवाकर ने कहा कि स्वार नगर मंडल के पदाधिकारी सक्रिय और मेहनती हैं तथा संगठन की मजबूती में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर आगामी चुनावों में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

वीर एकलव्य के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते लोग।

मिलक में आंगनबाड़ी मेले को लेकर प्रशिक्षण शुरू

मिलक, अमृत विचार : गुरुवार को बाल विकास विभाग और प्रथम संस्था द्वारा ब्लॉक सभागार में आंगनबाड़ी मेला की तीन दिवसीय ट्रेनिंग शुरू हुई। सीडीपीओ यासमीन बेगम की देखरेख में यह प्रशिक्षण 9 मई तक चलेगा। प्रथम संस्था की गिरफ्त में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण दे रही है। पहला मेला 11 मई से 16 मई तक और दूसरा मेला 22 जून से 27 जून तक आयोजित होगा। 3 से 6 साल के सभी बच्चों की मेले में भागीदारी रहेगी। मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। मेले में बच्चों से खेल-खेल में कई गतिविधियां कराई जाएंगी। इन्हीं गतिविधियों से बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भाषा और सामाजिक विकास का आकलन किया जाएगा। अभिभावकों को जोड़ने के लिए नई पहल की गई है।

बाल संस्कार शिविर में छात्राओं ने सीखे सेहत और संस्कार के गुर

बिलासपुर, अमृत विचार : भारत विकास परिषद द्वारा महिला एवं बाल विकास प्रकल्प के अंतर्गत डीएवी कन्या इंटर कॉलेज में पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता और वैदिक परंपराओं के महत्व से खूबसूरत कराया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन मुख्यातिथि महिला सहभागिता कविता खुराना, प्रांतीय सहभागिता निवेदिता मिश्र एवं डॉ. रेनम लूथरा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में महिला चिकित्सक ने छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता की बारीकियों से अवगत कराया। किशोरावस्था में होने वाली समस्याओं के कारणों और बचाव के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम संयोजिका आशना अग्रवाल ने छात्राओं को होममेड प्रोडक्ट्स बनाने का प्रशिक्षण दिया। करुणा अग्रवाल ने दैनिक जीवन में वैदिक मंत्रों की उपयोगिता समझाई। उन्होंने छात्राओं को अभ्यास हेतु मंत्रों के प्रिंटेड पेपर भी वितरित किए गए। इस अवसर पर कंचन अग्रवाल, कल्पना अग्रवाल, इति अग्रवाल, लवी अग्रवाल, भारती अग्रवाल, प्रेक्षा अग्रवाल, सपन अग्रवाल, सुनील कुमार जैन, नितिन गर्ग आदि रहे।

वीर एकलव्य के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते लोग।

न्यूज़ ब्रीफ

भाकियूसंयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन जारी

गजरीला, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों का प्रदूषण के खिलाफ धरना प्रदर्शन गुरुवार को 138वें दिन भी क्षेत्र के गांव शहबाजपुर डोर में जारी रहा। इस दौरान अध्यक्ष अहसान अली ने कहा कि गजरीला क्षेत्र में फैक्ट्रियों के प्रदूषण से आम के बागों और नर्सरियों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। इस अवसर पर धरना प्रभारी होमपाल सिंह, रामप्रसाद सिंह, पृथ्वी सिंह, सुरेश सिंह, रामफल सेनी, सोमपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने की चकबंदी विभाग की समीक्षा

अमरोहा, अमृत विचार : डीएम डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में चकबंदी विभाग की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी ने बताया कि वर्तमान में 3 ग्राम में चक सीमांकन परिवर्तन का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। तथा एक ग्राम का कार्य अगले सप्ताह से प्रारम्भ किया जायेगा। डीएम ने निर्देश दिये गये कि सीमांकन के साथ में बिना भेदभाव के कार्य गुणवत्तापूर्वक किया जाये। यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी। निर्धारित अवधि में तक्ष्य बनाकर चकबन्दी कार्य समय से पूर्ण करें।

निजीकरण के विरोध में कलेक्ट्रेट पर गरजे संविदा कर्मी

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले गुरुवार को संविदा कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। कहा कि कर्मचारियों को निगम में शामिल किया जाए जिससे उन्हें सरकारी सुविधाएं मिल सकें। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के जिला अध्यक्ष विपिन कुमार ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी समस्याओं को उठाया। कर्मचारियों का कहना था कि वह 24 घंटे हर परिस्थिति में कार्य करते हैं और उपभोक्ताओं को निबांध विद्युत आपूर्ति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खराब मौसम, रात-दिन

खेत की मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में पथराव 10 लोग घायल, पुलिस के सामने भी होता रहा संघर्ष, 34 नामजद समेत 75 के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : नौगांव थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर इम्मा में मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। आरोपी पुलिस कर्मियों के सामने भी पथराव करते रहे। घटना में 10 से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस कर्मियों की सूचना पर पहुंचे पुलिस बल को देखते ही आरोपी भाग गए। होडकांस्टेबल की तहरीर पर पुलिस ने 34 नामजद के अलावा 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सैदपुर इम्मा गांव निवासी अल्लाफ और शकील के बीच मेड़ काटने को लेकर विवाद हो गया था। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी होती रही, लेकिन देखते देखते दोनों पक्षों के बीच पथराव होने लगा। इसी बीच किसी ने सूची 112 को सूचना दे दी। मौके पर पहुंचे हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार व एक अन्य पुलिस कर्मी ने दोनों पक्षों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने। दोनों ओर से करीब एक घंटे



खेत पर दोनों पक्षों के बीच होता पथराव।

तक पत्थर बरसते रहे। घटना में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख मुख्य आरक्षी कुलदीप कुमार ने थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर थाने से भारी मात्रा में पुलिस बल गांव पहुंचा। तब आरोपी पुलिस कर्मियों को देखकर भाग गए।

मामले में दोनों पक्षों के 34 लोगों को नामजद करते हुए 40 से 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मारपीट और पथराव में दस से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फरार आरोपियों को तलाश किया जा रहा है।

– अवधमान सिंह भदौरिया, क्षेत्राधिकारी

मुख्य आरक्षी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

इस प्रकरण में मुख्य आरक्षी कुलदीप कुमार ने तहरीर देकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जबकि आरोपी पक्षों में से कोई भी थाने में तहरीर देने पहुंचा। मुख्य आरक्षी की तहरीर पर 34 नामजद और 40-50 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। इस प्रकरण में पुलिस ने गुरुवार को आरोपी फरमान, फरीद, रसीद और दिलशाद को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। जबकि अन्य आरोपियों को तलाश किया जा रहा है।

गांव में तनाव की स्थिति बरकरार

सैदपुर इम्मा गांव में अल्लाफ और शकील पक्ष के बीच तनाव बरकरार है। गांव के लोगों में बताया कि यह प्रकरण कभी भी बड़े खूनी संघर्ष का रूप से ले सकता है। उधर पुलिस ने भी सतर्कता बरतते हुए भारी मात्रा में गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया है। गांव में पुलिस बल तैनात होने से शांति जरूर है, लेकिन यह शांति कब संघर्ष का रूप ले ले कुछ कहा नहीं जा सकता। पुलिस अधिकारी गांव की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

अपहरण का आरोप लगाते हुए कोतवाली पर किया प्रदर्शन

हसनपुर, अमृत विचार : नगर क्षेत्र के मोहल्ला काला शहीद से किशोर को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। गुरुवार को कारंवाई की मांग को लेकर परिजन वह मोहल्ले की महिलाओं ने कोतवाली गेट पर प्रदर्शन किया। पीड़ित नितेश ने तहरीर देकर बताया कि उसका भाई चरन 16 अप्रैल से लापता है। जनपद बुलंदशहर के सिकंदराबाद निवासी सतवीर जो नगर के पीड़ित के यहां किराए के मकान में रहता है। उसे बहला-फुसलाकर अपने जयपुर राजस्थान ले गया था। 17 अप्रैल को स्वयं आरोपी ने फोन कर बताया कि उनका बेटा नहीं मिल रहा है। सूचना पर दो दिन बाद पर परिजन भी जयपुर पहुंच गए। वहां संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। अब परिजन आरोपी सतवीर के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करना चाह रहे हैं।

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार दो छात्र घायल

कोतवाली क्षेत्र के अलीगढ़ मार्ग पर घर से बाइक लेकर स्कूल जा रहे दो छात्रों को एंबुलेंस ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों छात्र बुरी तरह घायल हो गए। एक की हालत गंभीर होने पर सीएचसी से हायर सेंटर रेफर किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव हथिया खेड़ा निवासी सचिन पुत्र नन्हे जाटव वह देवेंद्र ने भाई को शराब पिलाने का विरोध किया और युवकों को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर आरोपी युवक भड़क गए और अवनीश के साथ गाली-गलौज करने लगे। कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोरे-शराबा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची अवनीश की पत्नी सीतिया, बहन अदेषा और भाई जीवामन भी भी आरोपियों ने नहीं छोड़ा। आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की, जिससे तीन लोग घायल हो गए पुलिस ने पीड़ित अवनीश की तहरीर के आधार पर आरोपी सुधीर, लोकेश, मुकेश और विक्रम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चार धाम यात्रा से लौट रहे एमबीए के छात्र की मौत

इतनी भीषण थी कि राहुल सड़क किनारे फूटपाथ पर जा गिरा, जबकि अजीत दूसरी ओर उछलकर गिरा। आरोप है कि टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ने वाहन नहीं रोका और अजीत के ऊपर से ट्रक चढ़ा दिया। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को संभाला। अजीत को इलाज के लिए एमबीआर अस्पताल ढबारीसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही आदमपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रक को कब्जे में ले लिया। थाना आदमपुर अध्यक्ष कोमल तोमर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार बताया जा रहा है।

डिजिटल जनगणना अभियान को जिलाधिकारी ने दी रफ्तार

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : डिजिटल जनगणना 2027 अभियान को गति देने के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने गुरुवार को खुद ऑनलाइन स्वगणना कर नई पहल की शुरुआत की। कलेक्ट्रेट परिसर में उन्होंने भारत सरकार के पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर नागरिकों को तकनीक आधारित इस अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

जिलाधिकारी ने ऑनलाइन पोर्टल पर लॉगिन कर स्वगणना प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक भागीदारी को मजबूत करने का आधुनिक माध्यम है। उन्होंने बताया कि अमरोहा जिले में नागरिक 7 मई से 21 मई 2026 तक ऑनलाइन स्वगणना कर सकेंगे। पोर्टल पर हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिससे लोगों को प्रक्रिया समझने और जानकारी दर्ज करने में आसानी होगी। डीएम ने बताया कि परिवार का मुखिया अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी



ऑनलाइन स्वगणना करते डीएम नितिन गौड़।

सत्यापन कर परिवार के सभी सदस्य की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेगा। इसमें शिक्षा, व्यवसाय, पता और अन्य आवश्यक विवरण शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि स्वगणना पूरी होने के बाद नागरिकों को एक सैल्फ एन्यूमरेशन आईडी जारी की जाएगी। जब जनगणना अधिकारी घर-घर पहुंचेंगे, तब लोगों को केवल यही आईडी दिखानी होगी। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आंकड़ों की सटीकता भी बनी रहेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यही आंकड़े भविष्य में स्कूल, अस्पताल, सड़क, रोजगार और अन्य सरकारी योजनाओं की दिशा तय करते हैं।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

जगरीला, अमृत विचार : रेलवे ट्रैक के पास युवती का शव पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त करवाने का प्रयास किया लेकिन शिनाखा नहीं हो सकी। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह शहर के भागपुर रेलवे क्राँसिंग के पास कब्रिस्तान के पीछे रेलवे ट्रैक के पास युवती का शव पड़ा मिला। वहां से गुजर रहे लोगों की शव युवती के शव को पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त करवाने का प्रयास किया लेकिन शिनाखा नहीं हो सकी। जिसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी कर शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोरवीं भेज दिया। सूत्रों के अनुसार युवती की हत्या कर शव को फेंकने की आशंका जताई जा रही है। युवती के शव के पास कोल्ड्रिंक की बोतल भी बरामद हुई है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि युवती की जहर खाने से मौत की आशंका जताई जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोरवीं भेज दिया गया है।

जंगल में पेड़ पर फंदे के सहारे लटका मिला है। बंटी के परिजनों ने युवती के परिवार वालों पर हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ ही स्वजन की तहरीर पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कुन्दकी (मुरादाबाद)

पत्रांक : 296/आंकिक/क्ष.पं.पत्रा./2025-26 दिनांक : 07.05.026

अल्पकालीन निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्र संख्या-124/आंकिक/क्ष.पं.पत्रा./2025-26 दिनांक 21.04.2026 द्वारा 15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत इस विकास खण्ड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 17 सी.सी. टाईल्स मार्ग (इंटरलॉकिंग) एवं खर्डंजा मार्ग निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पंजीकृत फर्म/उत्केदार्थों से दिनांक 23 अप्रैल 2026 से दिनांक 07 मई 2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक पृथक-पृथक सीलबंद निविदायें (तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड पृथक-पृथक लिफाफों में) प्रतिशत दर के आधार पर आमंत्रित की गयी हैं। अपरिहार्य कारण से इस निविदा आमंत्रण की तिथि बढ़ाते हुए, उपरोक्तानुसार निविदायें अब दिनांक 13.05.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं जो दिनांक 13 मई 2026 को अपरान्ह 2:00 बजे उपस्थिति निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गणित समिति द्वारा कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कुन्दकी में खोली जायेंगी। कार्य से सम्बन्धित विवरण, निविदा एवं नियम-शर्तों कार्य दिनांक 13 मई 2026 की अपरान्ह 11:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। कार्यदेश धरनाश्री की उपलब्धता के आधार पर निर्गत किये जायेंगे। किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह है। सरतः निविदा पर विचार नुहों किया जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी**प्रमुख**
कुन्दकी (मुरादाबाद)**क्ष.पं. कुन्दकी (मुरादाबाद)**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, मध्य गंगा नहर निर्माण मण्डल, मुरादाबाद ई-प्रोक्योरमेन्ट अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-01/एसओई0/2026-27							
महाहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों की ऑनलाइन प्री-क्वालीफिकेशन/टेंडनिकल बिड एवं फाइनैन्शियल बिड http://etender.up.nic.in के माध्यम से सिलाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 19.05.2026 की सांय 05.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। यह निविदा दिनांक 11.05.2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 19.05.2026 की सांय 05.00 बजे तक उपरोक्त वेबसाइट से अपलोड की जा सकती है। प्री-क्वालीफिकेशन/टेंडनिकल बिड दिनांक 20.05.2026 को प्रातः 10:00 बजे निर्धारित समिति द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। प्री-क्वालीफिकेशन/टेंडनिकल बिड में सफल होने वाले निविदादाताओं की फाइनैन्शियल बिड, टेंडनिकल बिड में सफल होने वाले निविदादाताओं की सूची अपलोड किये जाने के तीन दिवस उपरान्त खोली जायेगी। इस बीच की अवधि में टेंडनिकल बिड के सम्बन्ध में आपत्तियां दर्ज करानी जा सकेंगी, इसके बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या अवकाश होने की स्थिति में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी। ऑन-लाइन बिडिंग से सम्बन्धित प्रक्रिया एवं कार्य से सम्बन्धित जानकारी हेतु प्री-बिड मीटिंग दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे से 14:00 बजे तक कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, मध्य गंगा नहर निर्माण मण्डल, मुरादाबाद के कार्यालय में आयोजित की जाएगी, जिसमे इच्छुक ठेकेदार भाग ले सकेंगे। एक या समस्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा। निविदादाता नियम एवं शर्तों का भली-भाँति अध्ययन कर लें।							
लाट सं०	कार्य का विवरण	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख रूप में (जी०एफडी०) रहित	धरोहर धनराशि (लाख रूप० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18 प्रतिशत जी०एफडी० + ररेशनरी चार्ज	पंजी० श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
01	Construction of syphon at Km 11.360 of Kailly Dy.	मध्य गंगा नहर निर्माण खण्ड-09, रामलत	42.49	0.85	90 दिवस	300*54+2000 = 2354.00	B एवं उच्चतर
02	Construction of Aqueduct at Km 1.132 of Chhachera Minor.		33.95	0.68	90 दिवस	300*54+2000 = 2354.00	B एवं उच्चतर
03	Construction of V.R.B at Km 30.615 of Chandausi Branch in District Sambhal.	मध्य गंगा नहर निर्माण खण्ड-12, अलीगढ़	72.00	1.44	90 दिवस	300*54+2000 = 2354.00	B एवं उच्चतर
04	Construction of V.R.B at Km 11.850 of Chandausi Branch.	मध्य गंगा नहर निर्माण खण्ड-16, चन्दौली	74.00	1.48	90 दिवस	300*54+2000 = 2354.00	B एवं उच्चतर
यह निविदा /बिड http://etender.up.nic.in सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in एवं सिलाई विभाग की वेबसाइट http://www.idup.gov.in पर उपलब्ध है। नियम एवं शर्तें ई-टेंडरिंग एवं सिलाई विभाग की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं धरोहर धनराशि ई-टेंडरर पोर्टल पर ऑनलाइन बैकिंग के माध्यम से जमा की जायेगी। UP-250871 दिनांक 06.05.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है। (आर०क० वर्मा) अधीक्षण अभियन्ता मध्य गंगा नहर निर्माण मण्डल, मुरादाबाद, मो०-9792259505							



न्यूज़ ब्रीफ

लोक अदालत 9 को जनअभियान बनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एस. पी. गोयल ने राष्ट्रीय लोक अदालत को जनअभियान का रूप देने के लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि 9 मई को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी, जिसके सफल संचालन के लिए विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने प्री-लिटिगेशन मामलों की अधिक पहचान कर उनके निस्तारण पर जोर दिया, ताकि लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को जोड़ा जाएगा। निर्देश दिए गए कि समय पर नोटिस तामीली हो, बार एसोसिएशन से समन्वय रहे और आयोजन के दौरान न्यायालय परिसरों में मेगा हेल्थ कैंप, ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी व सरकारी योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएं, ताकि लोक अदालत जनसेवा का व्यापक मंच बन सके।

स्पेल कार्यक्रम से युवाओं में बढ़ रही नेतृत्व क्षमता : योगेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ‘स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (स्पेल)’ कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित कर रहा है। एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए संचालित इस कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रदेश के सभी 75 जिलों में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कार्यक्रम में कमिश्नरेट क्षेत्रों से 75 और अन्य जिलों से 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शासनादेश के अनुसार प्रतिभागी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर अंकपत्र में दो क्रेडिट अंक दिए जाएंगे। राज्य सर्कट अधिकारी डॉ. मंजु सिंह ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर 30 दिनों में 120 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पुलिस कार्यपणाली, साइबर सुरक्षा, ट्रैफिक व आपदा प्रबंधन शामिल रहा।

भूसा संग्रह अभियान तेज, 60.99 लाख विक्टल का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने व्यापक ‘भूसा संग्रह अभियान’ शुरू किया है। एक वर्ष के लिए 131.40 लाख विक्टल भूसे की आवश्यकता के सापेक्ष 60.99 लाख विक्टल संग्रह का लक्ष्य तय किया गया है, जिसमें अब तक 26.78 लाख विक्टल भूसा एकत्र कर लाभग्रा 43.9 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत दान और क्रय दोनों माध्यमों से भूसा जुटाया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक गो आश्रय स्थल पर भूसा बैक स्थापित कर किसानों से समन्वय के जरिए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में ललितपुर सबसे आगे है, जहां लक्ष्य के मुकाबले 102.9 प्रतिशत संग्रह हुआ है। इसके बाद देवरिया और गोरखपुर का स्थान है। मऊ, आगरा, महाराजगंज, सहारनपुर और हरदोई ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि लखनऊ, कानपुर नगर, संभल और इटावा में प्रगति धीमी है। दान आधारित सहह में 12.19 लाख विक्टल लक्ष्य के सापेक्ष 2.65 लाख विक्टल भूसा जुटाया गया है। सरकार ने आमजन, संस्थाओं और गोसेवकों से अभियान में सहयोग की अपील की है।

अनुदान के खर्च का हिसाब न देने वाले विभागों पर सख्ती की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने अनावर्ती सहायता अनुदानों के खर्च का समय पर हिसाब न देने वाले विभागों और अधिकारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। दीपक कुमार द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) और एसी बिलों के सापेक्ष डीसी बिल तत्काल जमा कराए जाएं, अन्यथा संबंधित नियंत्रक अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही

डीपी में सिंदूर, कवर पर ब्रह्मोस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की पहली वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल डीपी और कवर फोटो बदलकर एक मजबूत संदेश दिया है। डीपी में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का लोगो और कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता दी गई है, जिसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति का संकेत माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बदलाव केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं, बल्कि

नौकरियों में खत्म हुआ सिफारिश और सेटिंग का दौर : मुख्यमंत्री

योगी ने 481 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- योग्यता ही चयन का आधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और तकनीक आधारित चयन प्रक्रिया को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश, जाति, पैसे और पहुंच नहीं, बल्कि सिर्फ योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया संगठित वस्ली के साथ जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि परीक्षा के बाद तो किसी स्तर पर अनैतिक साधनों या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी, जिससे योग्य युवाओं का शोषण होता था। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि योग्य अभ्यर्थी की जगह

- **मुख्यमंत्री योगी ने दिया डिजिटल स्ट्राइक संदेश**
- **ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली प्रोफाइल तस्वीर**



“नया भारत” और मजबूत रक्षा नीति का प्रतीक है। खास बात यह है कि ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण अब लखनऊ में भी हो रहा है, जिससे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

को बल मिला है।

7 मई 2025 को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई की थी, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई नेताओं ने भी डीपी बदली, लेकिन योगी की कवर फोटो को अधिक आक्रामक संकेत माना जा रहा है।

ब्रह्मोस परियोजना को सूची डिफेंस कॉरिडोर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है।



लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार

भर्ती प्रक्रिया को चयनित युवाओं ने सराहा

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर युवाओं का भरोसा मजबूत होता दिख रहा है। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि पहले भर्तियों में भ्रष्टाचार और सिफारिश की शिकायतें रहती थीं, लेकिन अब पारदर्शिता बढ़ी है और योग्यता को प्राथमिकता मिल रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों में आयुष विभाग के 202, व्यावसायिक शिक्षा विभाग के 272 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सात अभ्यर्थियों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। आयुष विभाग में प्रोफेसर (यूनानी) पद पर चयनित डॉ. मोहम्मद नासिर ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। वहीं स्ट्राफ नर्स (आयुर्वेद) पद पर चयनित उपासना देवी और अनामिका पटेल ने भर्ती को पारदर्शी बताया। चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) पद पर चयनित आयुष भारद्वाज और डॉ. खुर्शीद आलम समेत अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि निष्पक्ष व्यवस्था से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब मेहनत का सही फल मिल रहा है।

घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाए तो वह 30-35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता है। योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में जवाबदेही तय की और तकनीक का इस्तेमाल कर पारदर्शिता सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है और

बीते 15 दिनों में यह चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। यूपी की पहचान अब भ्रष्ट और अराजक प्रदेश की नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और सुशासन वाले राज्य की बन रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय

और वार्षिक बजट तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हो रही हैं, जिनसे तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 32 हजार से अधिक हो गई है। यूपी अब देश के “टॉप-3 राज्यों” में शामिल हो चुका है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ सेना के पराक्रम का प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की प्रथम

वर्षगांठ पर देश के वीर जवानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन भारतीय सेना के वीर सपूतों ने आतंकवाद को खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को भारत की शक्ति और अटूट संकल्प का परिचय कराया था। मोर्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अब हर आतंकी साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को जनभवन से उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना अभियान की शुरुआत की।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार को स्व-गणना पोर्टल शुरू करने के लिए बधाई देते हुए प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना अधिकारियों से सही, तथ्यात्मक और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में मदद मिल सके। कार्यक्रम में निदेशक जनगणना एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने स्व-गणना पोर्टल की जानकारी साझा की। विशेष कार्याधिकारी डॉ.

- **15 लाख आवेदकों में 12,333 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए हुए सफल**
- **डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में होगी**

सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण (डीवी/पीएसटी) के लिए सफल घोषित किया है। भर्ती बोर्ड के अनुसार इस भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को चार पालियों में प्रदेशभर में आयोजित की गई थी। बोर्ड ने निर्धारित नियमावली

प्रदेश में अब तुष्टीकरण की नहीं संतुष्टिकरण की राजनीति : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/सहारनपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सहारनपुर में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में अब तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, जबकि अब वही धन सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास पर लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कभी दंगों, फतवों और पलायन के कारण बदनाम रहने वाला सहारनपुर आज

भर्ती प्रक्रिया पर बढ़ा युवाओं का भरोसा

प्रदेश सरकार लगातार भर्ती प्रक्रियाओं को तकनीक आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है। हाल के वर्षों में पुलिस भर्ती समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में डिजिटल निगरानी, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली लागू किए जाने से युवाओं का भरोसा बढ़ा है। प्रदेश सरकार का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म कर योग्यता आधारित चयन सुनिश्चित किया गया है।

के तहत प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत तथा कुल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में से मेरिट एवं आरक्षण व्यवस्था के अनुसार सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। अब चयनित अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी

दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण से गुजरना होगा। डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। इसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

- **मुख्यमंत्री बोले- कब्रिस्तान की दीवारों से निकलकर विकास पर खर्च हो रहा पैसा**
- **सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण**

विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले पश्चिमी उग्र, में दंगे, कर्फ्यू और भय का माहौल रहता था। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली जैसे जिलों में व्यापारी असुरक्षित थे और नौजवान पलायन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब डबल इंजन सरकार ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल दी है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, मां शाकम्भरी विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब का जिक्र

एजेंसियों को 12 मई तक दिया समय

- **राहुल गांधी मामले में सतर्कता बरतते हुए हाईकोर्ट ने सील कराई केस की फाइल**

होगी तथा उसी दिन केस फाइल की सील खोली जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विगनेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए हैं। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई,

प्रवर्तन निदेशालय (ईं डी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि याची द्वारा विस्तृत बहस की गई, जिसके बाद प्रतिवादियों की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा। जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई शुरू होने पर याची ने प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें वर्तमान रिट याचिका के अभिलेखों को सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया था।

छोटे योगी ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

सहारनपुर, अमृत विचार

देवबंद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान उस समय खास नजारा देखने को मिला, जब एक छोटे बच्चे ने योगी आदित्यनाथ की तरह भगवा वस्त्र पहनकर कार्यक्रम में प्रवेश किया और मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। बच्चे को देखकर वहां मौजूद लोगों ने उसे छोटे योगी कहना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने भी बच्चे को देखकर मुस्कुराते हुए आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने छोटे योगी के साथ जमकर फोटो और वीडियो बनाए, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। देवबंद में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।



राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डिजिटल माध्यम से की शुरुआत

जनभवन से जनगणना की स्व-गणना प्रक्रिया शुरू



जनभवन में स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में मदद मिल सके। कार्यक्रम में निदेशक जनगणना एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने स्व-गणना पोर्टल की जानकारी साझा की। विशेष कार्याधिकारी डॉ.

सुधीर महादेव बोवड़े, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन एसवीएस रंगाराव, मंडलायुक्त विजय विश्वास पन्त, जिलाधिकारी विशाख जी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश में जनगणना 2027 का पहला चरण 22 मई से 20 जून

क्या है स्व-गणना सुविधा

- नागरिक खुद ऑनलाइन जानकारी भर सकते हैं
- 21 मई तक उपलब्ध रहेगा विकल्प
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधी डेटा एंट्री
- 22 मई से 20 जून तक जनगणना कर्मों करेगे सत्यापन

2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर परिवार के मुखिया, मकान की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़े 33 अधिसूचित प्रश्नों की जानकारी एकत्रित करेगे।

मुख्य सचिव ने खुद भरा जनगणना फॉर्म

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में स्वयं भाग लेते हुए ऑनलाइन फॉर्म भरकर सबमिट किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। मुख्य सचिव ने आधिकारिक पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के बाद कहा कि डिजिटल जनगणना की सफलता के लिए अधिकतम जनभागीदारी जरूरी है।



पश्चिम बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं, पार्टी कार्यालयों में आगजनी, घरों पर हमले और पलायन जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की विफलता के साथ ही लोकतांत्रिक संस्कृति पर गहरे संकट का संकेत हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा नई घटना नहीं है, वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उदय तक की यही कहानी है, पर सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक संघर्ष की वर्तमान घटनाओं को बंगाल की उस हिंसक राजनीतिक परंपरा का हवाला देकर इस हिंसा को सामान्य नहीं कह सकते। राजनीतिक मतभेद अब वैचारिक संघर्ष न रहकर सामाजिक प्रतिशोध का रूप लेते जा रहे हैं। सबसे भयावह पहलू यह है कि हमले केवल पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि घरों तक पहुंच रहे हैं। जब परिवार, महिलाएं और बच्चे राजनीतिक संघर्ष की कोमत चुकाने लगे, तब यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, सामाजिक विघटन का संकेत होता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव जनादेश का उत्सव होना चाहिए, भय और बदले का नहीं। इस संदर्भ में नेताओं की भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

ममता बनर्जी के चुनाव परिणामों और चुनाव आयोग को लेकर आक्रामक तथा अडिगल रुख को उनके समर्थकों ने किस रूप में लिया, यह गंभीर प्रश्न है। जब शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश दे कि जनादेश ‘छीन’ लिया गया है, तो कार्यकर्ताओं में उग्रता बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर भाजपा नेताओं की भाषा भी संर्यमित नहीं रही। यह कहना कि ‘सबका साथ, सबका विकास के बाद अब सबका हिसाब होगा’ निश्चित रूप से उचेजक और प्रतिशोधात्मक संदेश देता है। लोकतंत्र में ‘हिसाब’ चुनाव से होता है, सड़क की हिंसा से नहीं। सुरक्षा तंत्र की विफलता और भी गंभीर मसला है। चुनाव से पहले भारी केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। कहा गया कि कोलाकता में मणिपुर से भी अधिक सुरक्षाबल मौजूद हैं। गुह मंत्रालय ने दूरदर्शिता दिखाते हुए चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद यह हिंसा भड़कती है, फैलती है और हत्याओं तक पहुंच जाती है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की नहीं, प्रशासनिक तंत्र की भी असफलता है। बाईं लाख सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि खुफिया तंत्र हिंसा की आशंका नहीं भांप पाया, तो जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। भाजपा का यह आरोप कि हतोत्साहित तृणमूल कार्यकर्ता हिंसा फैला रहे हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक हिंसा अक्सर एकतरफा नहीं होती; प्रतिशोध और प्रतिक्रिया का चक्र दोनों पक्षों को इसमें शामिल कर देता है। यदि तृणमूल के कार्यालय और कार्यकर्ता अधिक निशाने पर हैं, तो यह भी संभव है कि हिंसा बहुपक्षीय रूप ले चुकी हो।

केंद्र सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर अतिरिक्त बल, त्वरित गिरफ्तारी, संयुक्त नियंत्रण कक्ष और राज्य सरकार पर अधिक दबाव जैसे कदम पहले उठा सकती थी। अब भी आवश्यकता संयुक्त शांति प्रयास है। संभव है गुहमंत्री पहुंचने तक हिंसा रुक जाए। फिलहाल बंगाल को यह समझना होगा कि हिंसा से कोई स्थायी सिधायी सफलता नहीं मिल सकती। यदि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संयम नहीं सिखा सके, तो अंततः सबसे बड़ी हार जनता और लोकतंत्र दोनों की होगी।

प्रसंगवश

पैरानॉयड डिसऑर्डर मतलब खामोश संकेत, बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दराक को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना, जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। विभिन्न रिपोर्ट्स में सामने आई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल ‘शक’ था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था, जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं।

पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह



शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया

को बदलने के लिए कर सकते हैं।

–नेल्सन मंडेला, पूर्व राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका

सोमनाथ और भारत की अजेय भावना



नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूँ, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवित होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति करता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसम्भवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी।

कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

आमने अग्र स्मार्ट मीटर में बेईमानी हो सकती है, तो ईवीएम कैसे सुरक्षित है? ईवीएम में बेईमानी क्यों नहीं हो सकती? भाजपा झूठ की सोन पापड़ी है। एक झूठ की परत के ऊपर दूसरी परत बढ़ा देती है। प्रोपेगंडा भाजपा का टारगेटेड कैंपेन है। वो जनता को डराकर चुनाव लड़ती है।

–अखिलेश यादव : –अनिल राजभर सपा मुखिया

‘नमामि’ मिशन की जमीनी हकीकत



सुमन कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नमामि) के तहत भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है। वर्ष 2024 के बाद इसे ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिससे अपेक्षा थी कि यह प्रयास और राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डिटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध आगे बढ़ेगा। परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है और यह पहल अनेक संरचनात्मक तथा प्रशासनिक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है।

हाल के दिनों में बिहार एवं देश अन्य हिस्सों से यह समाचार मिल रहे हैं कि जिला प्रशासन की पहल पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण के लिए एकत्र किया जा रहा है। यह पहल पहली दृष्टि में अत्यंत सकारात्मक और स्वागतयोग्य प्रतीत होती है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है, किंतु इसके साथ यह आशंका भी जुड़ी रहती है कि कहीं यह प्रयास केवल औपचारिकता या सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित न रह जाए।

इतिहास में जब भी प्रशासनिक स्तर पर विरासत संरक्षण की बात होती है, तो अलेक्जेंडर कनिंघम जैसे उदाहरण याद आते हैं, किंतु समकालीन संदर्भ में यह भी स्पष्ट है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रशासनिक तंत्र में इस दिशा में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का अभाव रहा है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं प्रारंभ तो होती हैं, परंतु उनमें निरंतरता और संस्थागत स्थायित्व नहीं बन पाता।

डिजिटलीकरण के संदर्भ में ‘कृति संपदा’ जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम

से लाखों पांडुलिपियों का पंजीकरण किया गया है। भंडारकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा अन्य पांडुलिपि संसंधान केंद्रों में स्कैनिंग, मेटाडेटा निर्माण और संरक्षण का कार्य जारी है। इसके बावजूद, पांडुलिपियों का राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डिटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से चरणबद्ध ढंग से अद्यतन होती रहती है।

उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, पांडुलिपियों की अधिकतम संख्या तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में पाई जाती है, जहां मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में इनका विशाल भंडार सुरक्षित है। वहीं राजस्थान और गुजरात में जैन तथा संस्कृत पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐतिहासिक पुस्तकालयों और विद्वत केंद्रों के कारण उल्लेखनीय संग्रह मौजूद हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर में तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

कुल मिलाकर, भारत में लगभग 45–50 लाख पांडुलिपियों का अनुमान है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपंजीकृत या निजी हाथों में है। ऐसे में ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ का कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि इन विविध स्रोतों को एकीकृत कर एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना भी है। इसके बावजूद, इस विशाल संख्या की तुलना में डिजिटलीकरण की गति अभी भी धीमी है। कई परियोजनाएं तकनीकी उन्नयन, सतत वित्तपोषण और

डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता के अभाव में अधूरी रह जाती हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा देश के अधिकांश पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति है। बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ दें तो जिला, विश्वविद्यालय और निजी संग्रहालयों में बुनियादी अवसरंचना का अभाव है। नियंत्रित तापमान, आर्द्रता प्रबंधन, प्रशिक्षित संरक्षक और उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनिंग उपकरणों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कई पुस्तकालय आज भी पारंपरिक सूचीकरण तक सीमित हैं और कुछ स्थानों पर तो न्यूनतम स्टाफ की उपलब्धता नहीं है। परिणामस्वरूप, वित्तीय संसाधनों की कमी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

मानव संसाधन का संकट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पांडुलिपि विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की संख्या अत्यंत सीमित है। यद्यपि मिशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, परंतु उनका प्रभाव और विस्तार सीमित नहीं है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो नमामि की सबसे बड़ी चुनौती ‘नीति और क्रियान्वयन के बीच का अंतर’ है। एक ओर इसकी परिकल्पना व्यापक और दूरदर्शी है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर संस्थागत समन्वय, तकनीकी मानकीकरण और सतत वित्तपोषण का अभाव इसकी गति को सीमित करता है। डिजिटलीकरण के बाद भी डेटा की ओपन-एक्सेस उपलब्धता सीमित है, जिससे शोधार्थियों और आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)



दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300 वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, “इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।” उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं। पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

सोशल फोरम

प्रोफेसरों के नोट्स

हमारे यहां के प्रोफेसरों का आलम यह है कि वे एक ही विषय को सालों साल पढ़ाते रहते हैं। उनके पढ़ाने में कोई बेहतरी नजर नहीं आती। कोई नई अंतर्वस्तु नजर नहीं आती। उनके क्लास नोट्स में कोई नयापन या नई ठोस सामग्री और समझ नहीं होती। इसके विपरीत स्थितियां देखें, मैं इन दिनों मिशेल फूको के



जगदीश्वर चट्टोपदी

पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग कलकत्ता यूनिवर्सिटी

के कक्षा में दिए गए व्याख्यान या यों कहें क्लास नोट्स पढ़ रहा हूं, उनमें गजब की मेहनत नजर आती है।

मिशेल फूको College de France में 1971 से लेकर मृत्यु पर्यंत प्रोफेसर रहे, वहां नियम था कि प्रोफेसर को साल में 26 घंटे पढ़ाना है, इनमें आधे समय उनको सेमीनार के रूप में बोलना होता है और हर साल नई रिसर्च करके पढ़ाना होता था। वहां पाठ्यक्रम एकदम खुले होते थे, किसी किस्म के नामांकन की जरूरत नहीं

होती थी, शर्त एक होती थी जो विषय चुना है, उस पर हर साल नया शोध करके लेक्चर दो। इस क्रम में मिशेल फूको के क्लास नोट्स सामने आए।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू देखें। हिंदी में जो आए दिन फूको-फूको करते रहते हैं या फिर पश्चिम के विद्वानों को उद्धृत करके किताबें लिखते रहते हैं, व्याख्यान देते रहते हैं, उनमें से अधिकांश तो ठीक से कक्षा में पूरे समय पढ़ाने तक नहीं जाते, उनके क्लास नोट्स मिल जाएं तो आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

मसलन, नामवर सिंह के क्लास नोट्स प्रकाशित हो चुके हैं, वे किसी भी तरह एक प्रोफेसर के नोट्स नहीं लगते। खासकर एक ऐसे प्रोफेसर के नोट्स तो एकदम नहीं लगते, जो दुनियाभर के साहित्य का गंभीर अध्येता रहा हो। हिंदी में रामचंद्र शुक्ल के साहित्य इतिहास को देखें या फिर हजारी प्रसाद द्विवेदी के दिए गए व्याख्यानों को देखें, तो एकदम नए किस्म का अध्यापकीय विवेक और शोधदृष्टि सामने आएंगी।

रामचंद्र शुक्ल ने एमए हिंदी के विद्यार्थियों को इतिहास पढ़ाते समय जो नोट्स बनाए, उनके आधार पर बाद में हिंदी साहित्य का इतिहास नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा। द्विवेदी ने आदिकाल नामक किताब में अपने व्याख्यान शामिल किए हैं, इनमें एकदम नई सामग्री है, यही स्थिति उनकी व्याख्यानों की किताब मध्यकालीन बोध का स्वरूप की है। वहां पर मध्यकाल पर एकदम नए नजरिए से विचार किया गया है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

एक पेड़ का चित्र, जिसके नीचे एक व्यक्ति का सिर है।

एनसीईआरटी किताबें विवादों में घिरी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), 2020 के तहत विकसित किया गया नेशनल कौकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2023 भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन है, इसका मकसद छात्रों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, जिसमें होलिस्टिक डेवलपमेंट, कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग और इनक्लूसिविटी अर्थात समावेशिता पर जोर दिया गया है। स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। फाउंडेशनल (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11 वर्ष), मिडिल (11-14 वर्ष) और सेकेंडरी (14-18 वर्ष) कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग यानी रेटो मेमोराइजेशन के बजाय कौशल आधारित शिक्षा पर जोर, फर्नकिसबल सब्जेक्ट चॉइस यानी सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को विषय चुनने की आजादी, होलिस्टिक डेवलपमेंट यानी शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर ध्यान और इनक्लूसिविटी मायने

सभी छात्रों के लिए समान अवसर तय करना है, नतीजतन उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम और पठन-पाठन की सामग्री को विकसित है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्लास एके से लेकर आठ तक नई किताबें बाजार में आने के साथ ही विवादों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुद्दा एक नहीं लोगों को कई चीजों पर ऐतराज है। एनसीईआरटी पर इतिहास को सांप्रदायिक दृष्टिकोण से पेश करने के आरोप लग रहे हैं। मुगल साम्राज्य के बारे में कुछ अध्यायों को

हटाने का फैसला किया गया, जिसका इतिहासकारों और शिक्षकों ने विरोध किया। देश के कई शहरों में एनसीईआरटी की नकली किताबों का खज्ीरा बरामद हुआ, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं,

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं क्लास की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने इस पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

वर्तमान, नये शैक्षणिक सत्र की किताबें मार्केट में हैं। पहले एनसीईआरटी की फाउंडेशनल से लेकर मिडिल क्लासों की भाषाई पाठ्य पुस्तकों के नाम भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और क्लासिकल रागों के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई गई। अब नई किताबों में पुरानी किताबों के कुछ संदर्भ न होने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। सातवीं की सोशल साइंस की किताब में मुगलों व दिल्ली सल्तनत के संदर्भों को हटा दिया गया है। भारतीय राजवंशों पर चैप्टर, महाकुंभ का संदर्भ, मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चार धाम, धार्मिक यात्राओं जैसी योजनाओं के बारे में बताया गया है।

सोशल साइंस की नई किताब में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर शामिल किए गए हैं। पवित्र भूगोल (सेकेंड साइट) अब दुनिया भर में एक मान्यता प्राप्त एकेडेमिक डिसिप्लिन है, भारत के अनूठे मामले पर कई अध्ययन हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही कई शैक्षिक आयोगों और शिक्षाविदों ने हमारे बच्चों में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह चैप्टर ऐसी भावना विकसित करने के कई संभावित तरीकों में से एक है। एनसीईआरटी किताब का टाइटल आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान को दर्शाता है। देश के हर राज्य की संस्कृति को किताबों के माध्यम से बताया गया है। किताब के एक चैप्टर ऑल इंडियंस में बारह राज्यों के बारे में जानकारी दी गई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैज्ञानिकों ने काफी समय तक निगरानी करते हुए मालूम किया है कि रात में खाने के लिए शिकार ढूँढने वाले जीव-जंतु चांदनी रातों में बेहतरी से और अधिक ऊर्जा से शिकार करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चांदनी ही उन्हें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करती है। यह स्टडी साइंस एडवांसेज जर्नल पहली मई 2026 के अंक में 'मूनलाइट ड्राइव्स द एनर्जी बैलेंस एंड एनुअल साइकिल ऑफ नॉक्टर्नल फोरेजर' शीर्षक से स्पेन के साथ वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है। इस स्टडी की अहमियत पक्षियों के रात्रिकालीन व्यवहार, इनकी फिटनेस, शिकार पकड़ने की शक्ति के संचय के लिए चांदनी के प्रकाश की जरूरत और पारिस्थिकी संतुलन के लिए मानी गई है।

नाइटजार पक्षी

नाइटजार एक विश्वव्यापी समूह है, जिसमें ऐसे हवाई कीटपक्षी पक्षी शामिल हैं, जो सुबह और शाम के धुंधलके में या रात में सक्रिय रहते हैं। ये मुख्य रूप से कम रोशनी वाली स्थितियों में भोजन की तलाश करते हैं और दिन के समय बिना हिले-डुले आराम करते हैं, जिससे ये जीवों के व्यवहार और शारीरिक बनावट पर चंद्रमा की रोशनी के प्रभावों की जांच करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम बन जाते हैं। कई प्रजातियों पर किए गए पिछले अध्ययनों में चंद्रमा के चक्र और रोजाना भोजन की तलाश करने की गतिविधि, साथ ही प्रजनन और प्रवास जैसे ऊर्जा की ज्यादा खपत वाले वार्षिक जीवन-इतिहास की के समय के बीच संबंध पाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि चंद्रमा की रोशनी ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर समय-समय पर कुछ सीमाएं लगा सकती है। हालांकि चंद्रमा की रोशनी को किसी जीव की व्यक्तिगत गतिविधि, ऊर्जा के बंटवारे और जीवन-इतिहास से जुड़े फैसलों से जोड़ने वाले तंत्रों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। नाइटजार सुबह और शाम के धुंधलके में भोजन की तलाश के छोटे-छोटे समय-अंतरालों के दौरान कीड़ों को पेट भर खा सकते हैं और शरीर के तापमान में अस्थायी कमी (जिसे 'टॉरपोर' कहते हैं) करके अपनी चयापचय लागत को कम कर सकते हैं। ये ऐसी रणनीतियां हैं, जो संभवतः उन्हें बिना चंद्रमा वाली रातों में भोजन की तलाश के लिए मिलने वाले बहुत ही कम समय का सदुपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। ये सभी विशेषताएं मिलकर नाइटजार पक्षियों को एक बेहतरीन मॉडल के रूप में स्थापित करती हैं,

वैज्ञानिक फैक्ट

अंतरिक्ष में डकार लेना क्यों होता है मुश्किल

पृथ्वी पर डकार लेना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम भोजन करते हैं या पानी पीते समय हवा निगल लेते हैं, तो वह गैस पेट में जमा हो जाती है और बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। यहाँ गुरुत्वाकर्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन और तरल पदार्थों को पेट के निचले हिस्से में बनाए रखता है, जबकि गैस ऊपर की ओर आ जाती है और आसानी से मुंह के रास्ते बाहर निकल जाती है। वहीं अंतरिक्ष में स्थिति बिल्कुल अलग होती है। वहां लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण यानी माइक्रोग्रैविटी होती है। ऐसी अवस्था में गैस, तरल और ठोस पदार्थ अलग-अलग परतों में नहीं बंट पाते। परिणामस्वरूप पेट में मौजूद हवा भोजन और तरल के साथ मिश्रित रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री सामान्य तरीके से डकार नहीं ले पाते। यदि वे डकार लेने की कोशिश करें, तो गैस के साथ पेट का तरल पदार्थ और भोजन भी मुंह तक आ सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'वेट बप' कहा जाता है, जो काफी असहज अनुभव हो सकता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों के खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ कम दिए जाते हैं, जो पेट में ज्यादा गैस बनाते हों, जैसे कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या अत्यधिक मसालेदार भोजन। अंतरिक्ष मिशनो में भोजन को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वह आसानी से पच जाए और

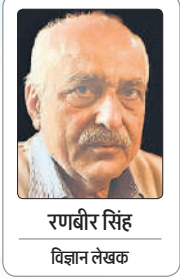


गैस की समस्या कम पैदा करे। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष में केवल डकार ही नहीं, बल्कि शरीर की कई सामान्य प्रक्रियाएं भी बदल जाती हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रैविटी के कारण शरीर के तरल पदार्थ ऊपर की ओर खिसकने लगते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों का चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। वहीं पैरों में रक्त और तरल कम पहुंचता है। अंतरिक्ष में पाचन तंत्र भी पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। कई अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया है कि वहां भोजन का स्वाद थोड़ा फीका लगता है, क्योंकि शरीर के तरल ऊपर आने से नाक बंद जैसी स्थिति बन जाती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री अधिक तीखे और मसालेदार भोजन को पसंद करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लंबे अंतरिक्ष मिशनो जैसे मंगल ग्रह की यात्रा के लिए मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों को समझना बेहद जरूरी है। डकार जैसी छोटी लगने वाली प्रक्रिया भी अंतरिक्ष विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध का विषय बन चुकी है। यह दिखाता है कि पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हमारी कई शारीरिक क्रियाएं वास्तव में गुरुत्वाकर्षण पर कितनी निर्भर हैं।



अमृत विचार

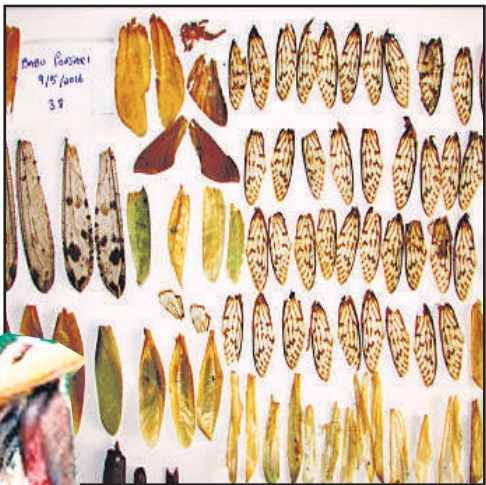
चूरे का



रणबीर सिंह

विज्ञान लेखक

शिकारी जीवों को ताकत देती है चांदनी



जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि चंद्रमा के चक्र किस तरह रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के व्यवहार, शरीर-क्रिया विज्ञान और जीवन-इतिहास से जुड़े समझौतों को प्रभावित करते हैं। लाल गर्दन वाले नाइटजारों (Caprimulgus ruficollis, जिन्हें आगे नाइटजार कहा जाएगा) का अध्ययन किया गया। उद्देश्य यह समझना था कि चंद्रमा का चक्र उनकी रोजाना की भोजन खोजने की आदतों और सफलता

को कैसे प्रभावित करता है। भोजन खोजने के दौरान चांदनी से जुड़ी बाधाएं किसी पक्षी के ऊर्जा भंडार और ऊर्जा बचाने वाले तरीकों (जैसे कि 'टॉरपोर' या सुप्तावस्था) के इस्तेमाल पर कैसे असर डालती हैं, और ये प्रभाव किस तरह मिलकर वार्षिक जीवन-चक्र की मुख्य घटनाओं जैसे कि प्रजनन, पंख झड़ना और प्रवास को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में मदद करते हैं। भोजन खोजने में मिली सफलता, ऊर्जा की प्राप्ति और प्रजनन व पंख झड़ने के लिए समय के बंटवारे का आकलन करने के लिए, शोधकर्मियों ने स्पेन के 'दोनाना' क्षेत्र से 2011 से 2020 के बीच इकट्ठा किए गए लंबे समय के क्षेत्रीय आंकड़ों का उपयोग किया। उड़ान संबंधी गतिविधियों, टॉरपोर की स्थिति और प्रवास के समय पर नजर रखने के लिए सन् 2016 से 2020 के दौरान 74 वयस्क नाइटजारों पर विशेष रूप से तैयार किए गए छोटे आकार के 'मल्टीसेंसर डेटा लॉगर' लगाए गए थे। इसके अलावा, पांच अन्य पक्षियों पर 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' लॉगर भी लगाए गए थे।

चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं

ज्यादातर जीव-जंतु कई समय-सीमाओं में होने वाले समय-समय पर होने वाले पर्यावरणीय बदलावों का सामना करते हैं। ये बदलाव आकाशीय पिंडों की घूमने और अपनी जगह बदलने वाली गतियों के कारण भी होते हैं, जिससे जीवों में भू-भौतिकीय चक्रों के हिसाब से ढलने की क्षमता विकसित होती है। इन बदलावों में, उदाहरण के लिए, प्रजनन और जीवित रहने के लिए संसाधनों की तलाश में मौसम के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जाना, संसाधनों की बहुतायत के समय ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए पाचन क्रिया को समायोजित करना और उपवास के दौरान ऊर्जा बचाने के लिए शरीर के तापमान और चयापचय दर में नियंत्रित कमी करना शामिल है। चमगादड़ से लेकर गीदड़, मेंढक, लोमड़ी और सांप जैसे रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के लिए चंद्रमा का चक्र, रात की रोशनी का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न बनाता है, जो उनके व्यवहार, शारीरिक बनावट और जीवन-इतिहास की विशेषताओं को आकार देता है। चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं हवा, जमीन और पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में अलग-अलग पोषण स्तर पर दर्ज की गई हैं, जिससे यह पता चलता है कि चंद्रमा का चक्र वैश्विक स्तर पर पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद, जीवों की पारिस्थितिकी और विकास पर चंद्रमा के चक्र के प्रभावों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है, क्योंकि रात में खुले वातावरण में रहने वाले जीवों का अध्ययन करने में कई तरह की स्वाभाविक चुनौतियां आती हैं।

क्या कहते हैं शोध

शोध के नतीजों से नाइटजार में चांद के समय के हिसाब से कई अडैप्शन होने और उनके आपस में तालमेल बिठाने का सपोर्ट मिलता है, जिससे वे अमावस्या के आसपास अकाल का समय झेल पाते हैं। इन अडैप्शन में हाइपोथर्मिया में जाने की क्षमता, शरीर के रिजर्व को साइकल के हिसाब से फिर से भरना और थोड़े समय के लिए बहुत ज्यादा खाना स्टोर करने की क्षमता बनाए रखना शामिल है। हम दिखाते हैं कि चांद से जुड़े ऐसे काउंटरमेजर का इस्तेमाल सिर्फ थोड़ा या कुछ समय के लिए किया जाता है, शायद फिटनेस कॉस्ट के कारण जो सालाना साइकिल में अलग-अलग होती है, जिसके नतीजे में जीवन-इतिहास की घटनाओं का चांद के साथ पहले से तय सिंक्रोनाइजेशन होता है।

नाइटजार कीड़ों के शिकारी और बड़े जानवरों के शिकार, दोनों के तौर पर एक अहम ट्रॉफिक जगह रखते हैं अर्थात् भोजन को एक इनाम के तौर से प्राप्त करना। इसलिए, चांद की वजह से होने वाले उनके रोजाना के खाने की एक्टिविटी और एनर्जी बैलेंस में उतार-चढ़ाव कम्युनिटी में फैल सकते हैं, जिससे शिकार की आबादी और शिकारी-शिकार के बीच बातचीत पर इनडायरेक्ट असर पड़ सकता है और आखिर में, बड़े इकोसिस्टम के काम करने के तरीके पर भी असर पड़ सकता है।

यह स्टडी अंधेरे में जीवन के लिए चांदनी की अहमियत को दिखाती है और ऐसे संभावित अडैप्शन का पता लगाती है, जो जीवों को रात के समय की जगह का फायदा उठाने में मदद करते हैं। यह रात में रहने वाले जीवों की सालाना साइकिल ट्रैकिंग स्टडीज में इकोलॉजिकल एनर्जी को शामिल करने की जरूरत पर भी जोर देता है, जो रात की इकोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी कदम है, खासकर तब जब दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा स्पीसीज रात में रहने वाले जीव बन रहे हैं। अपने आसपास भी हम पक्षियों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन देख सकते हैं जोकि शहरी इलाकों, शहर के बाहरी इलाकों और खेतों में विचरण करने और घोंसला बनाकर संतानोत्पत्ति के कार्य में व्यस्त रहते हैं। भारत में ऐसे अध्ययन किए गए हैं। यह भी देखा गया है कि माइग्रेटरी बर्ड्स ज्यादातर चांदनी रातों में ही एक से दूसरे स्थान पर बहुत लंबी दूरी तक उड़ते हैं। सन् 2000 में मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों पर ऐसा ही एक अध्ययन लंदन से प्रकाशित जूलांजी जर्नल में किया था। इसमें यह भी बताया गया कि शहरों के आकाश में कृत्रिम विद्युत रोशनी की चमक इन रात्रिकालीन शिकारियों के व्यवहार और इनके ब्रीडिंग और फोरेजिंग पैटर्न पर विपरीत असर डालती है।

अमेजन जंगल क्यों माना जाता है रहस्यमयी

अमेजन का वर्षावन, जिसे 'पृथ्वी का फेफड़ा' भी कहा जाता है, सदियों से मानव जाति के लिए कौतूहल और रहस्य का केंद्र रहा है। दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला यह विशाल जंगल न केवल अपनी जैव-विविधता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां छिपे अनगिनत अनसुलझे रहस्य इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक बनाते हैं। अमेजन में पौधों और जीवों की इतनी प्रजातियां हैं कि वैज्ञानिकों का मानना है कि हमने अभी तक केवल 10 प्रतिशत हिस्से को ही समझा है। हर साल यहां दर्जनों नई प्रजातियों की खोज होती है, जिससे यह सवाल उठता है कि इस घने अंधेरे विस्तार में और क्या-क्या छिपा हो सकता है?

'उबलती हुई नदी' का रहस्य

पेरू के जंगलों के बीच 'शनाय-तिम्पिशका' (Shanay-timpishka) नाम की एक नदी बहती है, जिसका पानी खौलता रहता है। यहां का तापमान 90 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसमें कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता। सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इस नदी के पास कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है, फिर भी इसका पानी कैसे उबलता है, यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है।

छिपी हुई सभ्यताएं और 'एल डोरेडो'

हजारों वर्षों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के घने जंगलों के बीच सोने का शहर 'एल डोरेडो' छिपा है। हालांकि वह शहर तो नहीं मिला, लेकिन हालिया 'लिडार' (LiDAR) तकनीक के स्कैन से जंगल के नीचे विशाल संरचनाएं, सड़कें और नहरों के जाल मिले हैं। यह संकेत देते हैं कि प्राचीन काल में यहां एक बहुत बड़ी और विकसित सभ्यता निवास करती थी, जो अचानक विलुप्त हो गई।



जनजातियां

अमेजन दुनिया के उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां आज भी ऐसी जनजातियां रहती हैं, जिनका आधुनिक दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। ये लोग अपनी आदिम जीवनशैली में मस्त हैं और बाहरी दुनिया के लिए एक पहली बने हुए हैं। वे कौन सी भाषा बोलते हैं और उनके पास प्रकृति के क्या रहस्य हैं, यह कोई नहीं जानता।

मिट्टी के पिरामिड

हाल ही में बोलिविया और ब्राजील के जंगलों के नीचे विशाल मिट्टी के पिरामिड और ऊंचे चबूतरे मिले हैं। ये संरचनाएं दर्शाती हैं कि यहां कभी भव्य धार्मिक स्थल थे। वैज्ञानिकों को यहां इंसान द्वारा बनाई गई बेहद उपजाऊ काली मिट्टी मिली है। यह मिट्टी हजारों सालों बाद भी उपजाऊ बनी हुई है, जो इस बात का सबूत है कि प्राचीन लोग खेती की उन्नत तकनीक जानते थे।

प्रतिकूल वातावरण और 'अंधेरा'

अमेजन का घनत्व इतना अधिक है कि सूर्य की रोशनी जंगल की सतह तक मुश्किल से पहुंच पाती है। यहां का वातावरण इतना चुनौतीपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद इसके कई हिस्सों में प्रवेश करना लगभग असंभव है। कई खोजकर्ता इस जंगल में गए और कभी वापस नहीं लौटे, जिससे इसके साथ 'शापित' या 'खतरनाक' होने की कहानियां जुड़ गईं।



बाजार	संसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

	सोना	1,56,000 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,61,500 प्रति किलो

मुरादाबाद, शुक्रवार, 8 मई 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अदाणी ग्रीन ने किया इकाइयों का गठन

नई दिल्ली | अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के लिए अपनी अनुषंगी कंपनी की अनुषंगी इकाइयां गठित करने की गुरुवार को जानकारी दी। एजीईएल ने शेयर बाजार को बताया कि नई इकाइयों का गठन उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी सिकरטי फोर लिमिटेड (एआरई64एल) द्वारा किया गया है। कंपनी ने कहा कि एआरई64एल स्टैप-वन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस।एल) और एआरई64एल स्टैप-टू रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस2एल) का गठन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के उद्देश्य से किया गया है। अदानी ग्रीन एनर्जी बड़े पैमाने पर ग्रिड से जुड़े सौर, पवन, हाइड्रल एवं ऊर्जा भंडारण समाधानों का विकास, स्वामित्व और संचालन करती है।

एप्पल और क्लीनमैक्स करेंगे ऊर्जा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली | भारत में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए क्लीनमैक्स और एप्पल ने 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की साझेदारी की है। क्लीनमैक्स ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियों का लक्ष्य देश के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) खंड की जरूरतों को स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की तैनाती के माध्यम से पूरा करना है। बयान में कहा गया कि एप्पल और क्लीनमैक्स ने भारत के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा तैनाती के जरिये कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में तेजी लाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक सह-निवेश समझौता किया है।

भारत फोर्ज का शुद्ध लाभ 17% घटकर 233.45 करोड़ रुपये

नई दिल्ली | रक्षा उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत घटकर 233.45 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को 2024–25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 282.62 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। भारत फोर्ज ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में उसे कुल 98.73 करोड़ रुपये का असाधारण खर्च वहन करना पड़ा जिसमें अनुषंगी कंपनी में निवेश में कमी, श्रम संहिता का प्रभाव एवं उसकी जर्मन इकाई भारत फोर्ज सीडीपी जीएमबीएच के पुनर्गठन से जुड़े आकस्मिक खर्च शामिल हैं।

सीईएससी का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली | बिजली कंपनी सीईएससी लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 459 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 386 करोड़ रुपये रहा था। सीईएससी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षायी तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,129 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,030 करोड़ रुपये थी।

एमएमटीपी-पीएमपी ने फिर शुरू किया डिजिटल सोना-चांदी खरीद का मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुमूल्य धातुओं को परिष्कृत करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएमपी डिजिटल रूप में सोने और चांदी की खरीद को फिर से शुरू कर दिया है। अब उपभोक्ता गूगल पे, पेटीएम और फोनपे जैसे साझेदार मंचों के अलावा कंपनी की वेबसाइट और एंड्रॉइड ऐप के माध्यम से सीधे डिजिटल सोने और चांदी की खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी ने सबसे पहले 2017 में डिजिटल सोना और फरवरी, 2023 में चांदी की पेशकश की थी। हालांकि, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए वेबसाइट को नया रूप देने के उद्देश्य से 2024 के अंत में सीधे मंच से बिक्री बंद कर दी गई थी।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी समित गुहा ने कहा कि डिजिटल सोना और चांदी कीमती

बाजार	संसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

	सोना	1,56,000 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,61,500 प्रति किलो

मुरादाबाद, शुक्रवार, 8 मई 2026
www.amritvichar.com

उत्पादन ही काफी नहीं, निर्यात क्षमता भी बढ़ानी होगी : शिवराज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब केवल उत्पादन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ़, प्रोसेसिंग और निर्यात क्षमता को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को आधुनिक बनाना होगा।

केन्द्रीय मंत्री, गुरुवार को लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित ‘फ्रूट होराइजन 2026’ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।



लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में कृषि विज्ञानी से बात करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

फ्रूट होराइजन 2026
यूपी बननेा प्रीमियम फल उत्पादन और निर्यात का बड़ा हब गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ और निर्यात मानकों पर होगा विशेष फोकस

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय फलों की गुणवत्ता सुधारना बेहद जरूरी है। सरकार अब शेल्व लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और वैश्विक मानकों के अनुरूप

उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीरो रिजेक्शन और प्रीमियम क्वालिटी वाले फलों का उत्पादन भारत को निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है। इसके लिए आधुनिक तकनीक,

बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी-रेरा

2026 में 400 नई परियोजनाओं को दी जा सकती है मंजूरी, पिछले साल थीं 308

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र-रेरा) के चेयरमैन संजय आर भूस्रेड्डी ने कहा है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते राज्य में संपत्ति बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र-रेरा द्वारा 2026 में 400 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है। पिछले कैलेंडर साल में यह आंकड़ा 308 रहा था।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के चेयरमैन भूस्रेड्डी ने कहा कि राज्य का संपत्ति बाजार अब केवल लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी आई है। भूस्रेड्डी

सेबी ने बंद किया शेयर ब्रोकरों के जोखिम का सुरक्षा प्रणाली मंच ‘आईआरआरए’

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को शेयर ब्रोकरों के लिए निवेशक जोखिम कम करने वाले मंच आईआरआरए को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी बाजार में कामकाज जारी रखने की मजबूत व्यवस्था और साइबर सुरक्षा ढांचे के सशक्त होने से यह मंच अब अप्रासंगिक हो गया है।

आईआरआरए (इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस) मंच को एक अक्टूबर, 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ब्रोकरों को शेयर

खरीद-बिक्री सेवाओं में बाधा आने की स्थिति में एक वैकल्पिक माध्यम उपलब्ध कराना था।

हालांकि, सेबी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी-आधारित कुछ उपाय लागू किए जाने से ब्रोकरों की परिचालन क्षमता में मजबूती आई है। इनमें 'बिजनेस कंटिन्यूटी प्लानिंग और डिजास्टर रिकवरी' (बीसीपी-डीआर) व्यवस्था, बेहतर साइबर सुरक्षा ढांचा, बाजार सुरक्षा परिचालन केंद्र और तकनीकी गड़बड़ी से निपटने के तंत्र को मजबूत करना शामिल है।

शेयर ब्रोकरों ने ऐसे तकनीकी समस्याओं में अपनाए हैं, जिससे

किसी बाधा की स्थिति में मुख्य और वैकल्पिक प्रणाली के बीच आसानी से स्विच किया जा सकता है।

कभी उपयोग में ही नहीं आया था मंच
सेबी के मुताबिक, शेयर बाजारों ने बताया है कि आईआरआरए मंच शुरू होने के बाद से कभी भी उपयोग में नहीं आया और मजबूत नियामकीय उपायों एवं तकनीकी प्रति के कारण यह 'संरचनात्मक रूप से अप्रासंगिक' हो गया है। बाजार नियामक ने इन्हीं कारणों और हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर इस मंच को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है।

किसानों की आय बढ़ाने को बनेगी टास्क फोर्स

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि आईसीएआर के वैज्ञानिक संस्थान, एपीडा, निर्यातक और अन्य एजेंसियां मिलकर एक विशेष टास्क फोर्स बनाएंगी। यह टास्क फोर्स उत्पादकों और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान कर समयबद्ध एक्शन प्लान तैयार करेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूपी को मिलेगा क्लीन प्लांट मिशन का लाभ
शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार के 'क्लीन प्लांटिंग मैटेरियल प्रोग्राम' के तहत उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने छटे किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने में एफपीओ, एफपीसी और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा कई निर्यातोन्मुख वलस्टर विकसित किए जा रहें हैं। साथ ही बताया कि जल्द ही जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी निर्यात परियोजनाएं प्रदेश को फल निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, पैकहाउस और प्रोसेसिंग सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से किसान, वैज्ञानिक, निर्यातक, नर्सरी संचालक, एफपीओ और फल प्रसंस्करण क्षेत्र

से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व कृषि विज्ञानी मौजूद रहे।

एनबीएफसी लाइसेंस लेने की योजना से पेटੀएम का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी प्रमुख वन97 कम्प्युनिकेशंस ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। वन97 कम्प्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी का चौथी तिमाही का आय संबंधी विवरण देते हुए पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने गुरुवार को कहा कि हम एनबीएफसी लाइसेंस लेने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। पेटीएम की प्राथमिकता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझेदारी मॉडल की है। जिसमें पेटीएम वितरण, प्रौद्योगिकी एवं वसूली का काम संभालता है जबकि उसके प्रतिष्ठित ऋा साझेदार पूंजी, जोखिम एवं चक्रीय उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करते हैं।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सांख्यिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशानिर्देश जारी किए हैं। इससे सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी। राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस बदलाव के अनुरूप, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के आकलन में अधिक सटीकता, एकरूपता और तुलनात्मकता सुनिश्चित करने के लिए एक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन को नए आधार वर्ष को अपनाना जरूरी है। इससे राज्य स्तरीय अनुमानों

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शेयर बाजार में अब घरेलू निवेशकों ने थामी पतवार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। देश में शेयर बाजार की तस्वीर तेजी से बदल रही है। लंबे समय तक बाजार की दिशा तय करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की पकड़ अब कमजोर पड़ती दिख रही है, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निर्णायक ताकत बनकर उभर रहे हैं। भारतीय पूंजी बाजार के लिए यह बदलाव एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है, जिसमें बाजार की असली ताकत घरेलू निवेशकों के हाथों में जाती नजर आ रही है।

इस साल की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी-50 कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 20.9 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 17.1 फीसदी रह गई है, यह बीते कई वर्षों का निचला स्तर है। यह बदलाव भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में हो रहे बड़े परिवर्तन का संकेत है।

म्यूचुअल फंडों में बढ़ते एसआईपी निवेश, रिटायरमेंट फंड्स की सक्रियता और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने घरेलू निवेशकों को बाजार का नया आधार बना दिया है। मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 27.2 अरब डॉलर का निवेश किया। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि मार्च के अंत में बाजार में आई तेजी से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों

श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया न 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की गुरुवार को शुरुआत की।

दिल्ली स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन देशभर के श्रमिकों के लिए सम्मान, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दर्शाता है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस अवसर को 'श्रम शक्ति' के सम्मान का दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा दायरे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में सरकार ने रोजगार सृजन के जरिये 'श्रम शक्ति' और 'युवा शक्ति' को सशक्त बनाने का काम किया है।

देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा एक दशक में 30 करोड़ से बढ़कर आज करीब 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है।

बदलाव

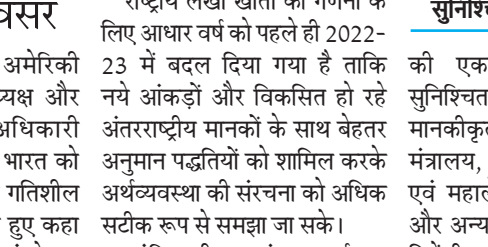
कोफोर्ज का मुनाफा दोगुना, एआई से पैदा होंगे नए और ज्यादा लाभ वाले अवसर

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई,पर बाजार नहीं होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से आईटी उद्योग का पारंपरिक 'लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट' मॉडल बदल रहा है। हालांकि, कंपनी का मानना ​​है कि इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा, बल्कि नए और ज्यादा मुनाफे वाले अवसर पैदा होंगे।

कंपनी का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपये पहुंच गया एक साल पहले इसी अवधि में यह 308 करोड़ रुपये के आसपास था। वहीं, कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3,422.2 करोड़ रुपये था। कंपनी के सीईओ और कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई से कोड बनाना भले सस्ता हो, लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा और संचालन महंगा पड़ता है। इसलिए आने वाले समय में एआई आधारित सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।



एजेंट एआई बनेगा नया बड़ा बाजार

सुधीर सिंह ने कहा कि जैसे 20 साल पहले कंपनियां क्लाउड टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ी थीं, वैसे ही अब "एजेंट एआई" नई तरह की मैनेज्ड सर्विसेज का बड़ा बाजार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लागू होने के बाद कंपनियों को मॉडल की निगरानी करनी होगी। एआई एजेंट्स को दोबारा ट्रेन करना होगा और पूरे सिस्टम का संचालन संभालना होगा। इससे आईटी कंपनियों के लिए नए बिजनेस अवसर बनेंगे। कोफोर्ज ने निवेशकों को बताया कि पिछले एक एआई आधारित टेक्नोलॉजी सेवाओं का बाजार 160-180

बढ़ती लागत से निपटने को प्रौद्योगिकी अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दृढ़ता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2025 में 650 अरब डॉलर का था। फिक्की और परामर्श कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट 'भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना - मूल्य श्रृंखला परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका' गुरुवार को यहां जारी की गई। फिक्की द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि... यह क्षेत्र अब तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।

अरब डॉलर का है। इसके अगले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 800 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोफोर्ज ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने एआई पर 55 लाख डॉलर का निवेश किया।



टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को वरुण चक्रवर्ती की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और लोग भावुक हो जाते हैं।
-इवेन ब्रावो, गेंदबाजी कोच, केकेआर

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार, 8 मई 2026

बारिश की बाधाओं के बीच जमकर गरजा मार्श का बल्ला, 111 रन ठोके

आईपीएल-2026 : लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आरसीबी को दिया 213 रनों का लक्ष्य

लखनऊ, एंजेंसी

इकाना स्टेडियम में हो रहे आईपीएल 2026 का 50वां मुकाबला बारिश के चलते 19-19 ओवरों का कर दिया गया है. लखनऊ ने मिचेल मार्श के शतक के दम पर 3 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए हैं. डीएसएल मेथड के जरिए बेंगलुरु को जीत के लिए 213 का लक्ष्य मिला है. मिचेल मार्श और शिन कुलकर्णी की सलामी जोड़ी ने टीम को धुआंधार शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की. इसके बाद मार्श और पूरन के बीच दूसरे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी हुई है. मार्श 56 गेंदों में 9 चौके और 9 छक्के लगाकर 111 रन बनाकर आउट हुए. अंत में पंत और पूरन के कौमियों के दम पर टीम 200 का स्कोर पार करने में सफल रही.

बता दें, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है. जहां बेंगलुरु ने कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं लखनऊ ने तीन बदलाव किए हैं. आज का मैच बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए खास है. यह उनका 200वां मुकाबला है. भुवनेश्वर 200वां मुकाबला खेलने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं. इस मुकाबले में किंग कोहली के निशाने पर एक मेगा रिकॉर्ड है।



विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते लखनऊ सुपर जायंट्स के मिशेल मार्श।

एंजेंसी



बारिश के बीच पिच को बचाने के लिए ग्राउंडस्टाफ कवर लाते हुए।

एंजेंसी

अति प्रयोग से बुमराह का प्रदर्शन अस्थिर : उमेश यादव

नई दिल्ली। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव का कहना है कि जसप्रीत बुमराह बहुत ज्यादा वीजें आजमा रहे हैं और इसी वजह से इस इंडियन प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है जबकि भुवनेश्वर कुमार अपनी स्पष्ट योजना के अलावा पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत की वजह से कामयाब रहे हैं। भुवनेश्वर आईपीएल के इस सत्र में अभी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए नौ मैच में 17 विकेट लिए हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के बुमराह को इस सत्र में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है और उन्होंने 10 मैच में महज तीन विकेट लिए हैं। जियोस्टार के विशेषज्ञ उमेश ने कहा, ‘भूवी और उनकी टीम की योजना स्पष्ट है। वह पावरप्ले और डेथ ओवर, दोनों में गेंदबाजी करते हैं और उनका रणनीति तय है। वह दोनों तरफ गेंद को रिविंग करा सकते हैं। उन्होंने कहा भूवी अपनी लाइन एवं लेंथ और ‘वैरिएशन’ में लगातार एक जैसे रहते हैं जबकि बुमराह बहुत ज्यादा वीजें आजमा रहे हैं जिससे उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। उमेश ने कहा इस सत्र में मुंबई के लिए बुमराह का प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है। कभी-कभी उन्हें पावरप्ले में गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है, तो कभी-कभी वह ऐसे हालात में गेंदबाज करने आते हैं, जब उन पर कोई दबाव नहीं होता। इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ रहा है। बुमराह के लिए आक्रामक गेंदबाजी के मौके बनाने चाहिए।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026	
आज के मुकाबले	
दिल्ली कैपिटल्स	DELHI CAPITALS
बनाम	
कोलकाता नाइट राइडर्स	
समय - शाम 7:30 बजे	

हाईलाइट



मैं फीफा विश्व कप में वापसी के लिए तैयार हूं: लुइस सुआरेज
मियामी। उरुग्वे के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर लुइस सुआरेज ने कहा कि वह इस साल होने वाले फीफा विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा के साथ सलेस्टे के इंजार्ज हैं। एमएलएस क्लब के साथ एक अभ्यास सत्र के बाद सुआरेज ने सितंबर 2024 में उरुग्वे की नेशनल टीम से संन्यास ले लिया था। 39 साल के इंटर मियामी स्ट्राइकर ने कहा कि उन्होंने तब से अपने फैसले पर दोबारा सोचा है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के कोच के लिए उनके मन में कोई बुरी भावना नहीं है, जो मई 2023 से सलेस्टे के इंजार्ज हैं। एमएलएस क्लब के साथ एक अभ्यास सत्र के बाद सुआरेज ने पत्रकारों से कहा मैंने कुछ ऐसा कर दिया जो मुझे नहीं कहना चाहिए था। आपको अपनी गलतियां माननी होंगी और यह अब बीती बात है।

गुकेश ने सिंदारोव को हराया, सो से ड्रॉ खेला
वारसा। डी गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियां पूरखा करते हुए सुपर रैपिड और ब्रिटिश टूर्नामेंट में अपने वेलेंजर जावोखिर सिंदारोव को पांचवें दौर में हराया और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। उजबेकिस्तान के सिंदारोव को हराने के बाद गुकेश ने वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। अब उनके छह अंक हो गए हैं जबकि रैपिड वर्ग में तीन राउंड बाकी हैं। सिंदारोव के खिलाफ जीत से उन्हें दो अंक मिले जबकि ड्रॉ से एक अंक हासिल हुआ। सो नौ अंक लेकर अमेरिका के ही हैंस नीमन के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ब्लादीमिर फेडोसीव हैं जो एक अंक पीछे हैं। गुकेश, फेबियानो कारुआना, जान क्रिस्टोफ डुडा और मैक्सिम वाचियरेव लाग्रैव के छह अंक हैं।

अल्टमाएर ने रोम में 2 मैच प्वाइंट बचाए
रोम। डेनियल अल्टमाएर ने बुधवार को रोम में इटैलियन ओपन में तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाकर झंग झीझेन को हराया। एटीपी रैंकिंग में 64वें नंबर के खिलाड़ी अल्टमाएर ने दूसरे सेट में 3-5, 15/40 के स्कोर पर अपनी सर्विस पर मैग पॉइंट बचाए, और फिर 4-6, 7-6(3), 6-4 से जीत हासिल करके इस सीजन में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी को इस जीत का इनाम दूसरे दौर में रोम के दो बार के चैंपियन एलेक्जेंडर ज्येरे से मुकाबले के रूप में मिला है।

तीरंदाजी विश्व कप

कोरिया पर जीत से महिलाओं ने पक्का किया पदक

शंघाई, एंजेंसी

भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई। मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भक्त दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4-5 से हार गए।

महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5-1 से मात दी। अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा।



महिला टीम की सदस्य अंकिता भक्त, दीपिका कुमारी और कुमकुम मोहोद।

पुरुष रिकर्व टीम में तरुणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6-2 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58-55 से जीता। दूसरे सेट

में मुकाबला 56-56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। मैच जीतने के लिए अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58-56 से अपने नाम किया। लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है। कोरियाई टीम में दो

नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थीं। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया। क्वाटर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5-4 से जीत दर्ज की।

चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा पेरिस सेंट जर्मेन

म्युनिख। पेरिस सेंट जर्मेन ने बायर्न म्युनिख से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उस्मान डेम्बेले ने तीसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। हैरी केन ने स्टॉपेंज टाइम में म्युनिख के लिए गोल किया पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके साथ ही उनकी टीम का एक ही सत्र में बूंडेस्लिगा, जर्मन कप और चैम्पियंस लीग जीतने का सपना टूट गया। गत चैंपियन पीएसजी ने औसत के आधार पर 6-5 से जीत दर्ज की। उसने पेरिस में पिछले सप्ताह पहले चरण का मुकाबला 5-4 से जीता था। अब उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में आर्सनल से होगा जिसने एटलेटिको मैड्रिड को हराया।

रोबिन्हो जूनियर को थप्पड़ मारने पर नेमार ने मांगी माफी

रियो डी जेनेरियो, एंजेंसी

स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने हद पार कर दी और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस युवा को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना पूरी तरह सुलझ गई है। नेमार ने कहा अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते



हैं, तो यह रही नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल कराने वाले खिलाड़ी हैं, जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, बांसिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सबस्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व

अंटेकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, हाँ, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसमें मैंने थोड़ी ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियाँ करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी। मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिससे मैं बहुत पसंद करता हूँ, जिसके लिए मेरे मन में ख़ास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है। रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए कई बार माफी मांगी।

रेसलर विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स से बाहर

नई दिल्ली, एंजेंसी

तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सेलेक्शन ट्रायल के लिए गुरुवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था।

विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं।

●डब्ल्यूएफआई के नए पात्रता मापदंड में फंस गई



उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी। मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में मां बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले

नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी। ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिस्प्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

नई दिल्ली, एंजेंसी

पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के ‘करो या मरो’ के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जाएगा। समझा जाता है कि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिर्की का सामना करने के लिए दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाए थे पर जीत फिर भी नहीं मिली थी। इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ



अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, माधव तिवारी, आशुतोष शर्मा और नीतीश राणा।

एंजेंसी

केकेआर का शीर्षक्रम नहीं उतर सका खरा

नई दिल्ली। केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। कप्तान अजिंक्य रहाणे (131.42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137.43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं

बदल सके। रिकू सिंह (145.39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है।दिल्ली के लिए एकेल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं।

सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे। धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या सीएसके के नूर अहमद और अकाल हुसैन को नहीं

खेल पाये थे। सुनील (इकोंनॉमी रेट 6.80) और वरुण (इकोंनॉमी रेट 8.88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करुण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती है।

●कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अशर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मन्ता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेले स्टार्क, डेविड मिलर, ओकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोमन पॉरेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरान ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रविन रवींद्र, आकाश दीपा, लॉरेंस मुजाराबानी, नवदीप सेनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी।